बागेश्वर धाम एवं मेहंदीपुर बालाजी के चरणों में समर्पित

दैनिक हिन्दी समाचार पत्र

संस्कार उजाला

सच का हुंकार

sanskarujala@gmail.com

संस्थापक स्व० सुखराम शर्मा एवम शिवकुमार शर्मा, श्री प्रकाशवीर

संस्कार उजाला

हिन्दी समाचार पत्र को आवश्यकता है विज्ञापन एंव खबर लाने वाले स्टाफ की। सम्पर्क करें

मो0-9456278011

गाजियाबाद से प्रकाशित, दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, हरियाणा, सहारनपुर, मेरठ, मुरादाबाद, बरेली, हापुड, बुलंदशहर, मथुरा आगरा, इटावा, कानपुर एंव लखनऊ से प्रसारित

वर्ष : 11 अंक : 99 | सोमवार 31 जुलाई 2023 गाजियाबाद | RNI No-UPHIN / 2013 / 50466 | पेज: 8 मूल्य : 2 रुपया

तू सोच भी नहीं सकता कि मैं...अंजू ने पाकिस्तान से किया पति को फोन; बच्चों को ले जाने की भी धमकी

नई दिल्ली। फेसबुक फ्रेंड नसरुल्लाह के लिए भारत से पाकिस्तान गई अंजू लगातार चर्चा में हैं। अंजू ने पहले कहा कि कुछ ही दिनों में भारत वापस आने वाली है। अब उन्होंने पाकिस्तान में नसरुल्लाह से निकाह भी कर लिया है और प्लॉट के साथ संपत्ति की मालकिन भी बन गई हैं। इसी बीच खबर है कि अंजू ने पाकिस्तान से अपने पति अरविंद को फोन किया और खूब खरीखोटी सुनाई। अंजू ने पति को अपशब्द भी कहे और दोनों बच्चों को ले जाने की धमकी भी दी। जानकारी के मुताबिक अंजू ने अपने पति को फोन करके गाली-गलौज की।अंजू ने फोन पर पति से कहा, मैं अब किसी भी बद तक जा सकती हूं। तो सोच भी नहीं सकता। तुम मेरे बारे में बहुत बता रहे हो, कुछ अपने बारे में भी बताओ। तुम वैसे ही नाचे जा रहे हो जैसे मीडिया तुम्हें नचा रही है। तुम सबको सच क्यों नहीं बता रहे हो कि कैसे इंसान हो? अंजू इसके बाद कहती हैं, मेरी मर्जी, मैं जहां चाहूं रहूं। तू मुझे रोकने वाला कौन है। मैं तुझपर थूकती हूं। मेरी बदकिस्मती थी कि मैं ऐसे इंसान और उसके परिवार के साथ रहती हूं। मैं भारत आऊंगी और अपने बच्चों को भी ले जाऊंगी।

पाकिस्तान में अंजू को मिला प्लॉट और दौलत

दो बच्चों की मां अंजू ने पाकिस्तान में अपने फेसबुक दोस्त नसरुल्लाह से निकाह कर लिया है। खबर यह भी है कि उन्होंने धर्म परिवर्तन करके अपना नाम फातिमा रख लिया है। अँजू और नसरुल्लाह की दोस्ती 2019 में हुई थी। इसके बाद वह वीजा बनवाकर पाकिस्तान मिलने पहुंच गईं। पाकिस्तान पुलिस के मुताबिक अंजू ने कोर्ट में नसरुल्लाह से निकाह कर लिया। इसके बाद अंजू के वीडियो भी सामने आए जिसमें वह नसरुल्लाह के साथ मौज मस्ती करती नजर आईं। 21 जुलाई को राजस्थान के अलवर में रहने वाली अंजू अपने पति और दो बच्चों को छोड़कर पाकिस्तान चली गई थीं। अंजू के पति ने कहा था कि जयपुर जाने के बहाने से वह पाकिस्तान चली गईं। अंजू अलवर से दिल्ली पहुंची और दिल्ली से अमृतसर। इसके बाद वाघा बॉर्डर के रास्ते वह पाकिस्तान चली गईं। सफर के दौरान वह अपने पति से वॉट्सऐप पर बात करती थी। हालांकि उन्होंने लाहौर पहुंचने के बाद बताया कि वह पाकिस्तान पहुंच गई हैं।

मन की बात का 103वां एपिसोड

शहडोल में आदिवासियों ने कुओं को वाटर री-चार्ज सिस्टम से जोड़ा, यहां मिनी ब्राजील भी-मोदी

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने आज यानी 30 जुलाई को अपने मन की बात प्रोग्राम के जरिए देश वासियों से बात की। पीएम मोदी के मन की बात का यह 103वां एपिसोड है। इस कार्यक्रम को सुबह 11 बजे टेलीकास्ट किया गया।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, कुछ समय पहले मैं स्क्क के शहडोल गया था। वहां आदिवासी भाइयों से मुलाकात हुई। पकरिया गांव के आदिवासियों ने प्रकृति और जल संरक्षण के लिए काम कर दिया है। 100 कुओं को वाटर रिचार्ज सिस्टम में बदल दिया है। बारिश का पानी इन कुओं में जाता है और वहां से जमीन में। सभी गांववालों ने 800 कुओं को रिचार्ज के लिए उपयोग में लाने का लक्ष्य बनाया है। MP के शहडोल में विचारपुर गांव है, इसे मिनी ब्राजील कहा जाता है। ये गांव आज उभरते सितारों का गढ़ बन गया है। यहां मेरी मुलाकात इन खिलाड़ियों से हुई। विचारपुर गांव के मिनी ब्राजील बनने की यात्रा 2 दशक पहले शुरू हुई। यह कभी नशे का शराब का गढ़ था। रईस अहमद जो पूर्व फुटबॉलर हैं और कोच हैं, उन्होंने युवाओं को फुटबॉल सिखाना शुरू किया। अब विचारपुर की पहचान फुटबॉल से होने लगी। फुटबॉल क्रांति नाम से एक प्रोग्राम चल रहा है।

शहडोल के विचारपुर से 40 नेशनल और स्टेट लेवल प्लेयर निकले

एमपी के विचारपुर से नेशनल और स्टेट लेवल के 40 से ज्यादा खिलाड़ी निकले हैं। काफी बड़े इलाके में 1200 से ज्यादा फुटबॉल क्लब बन गए हैं। कई पूर्व खिलाड़ी और कोच यहां युवाओं को ट्रेनिंग दे रहे हैं। एक आदिवासी इलाका जो अवैध शराब के लिए जाना जाता था, नशे के लिए बदनाम था, वो आज देश की फुटबॉल नर्सरी बन गया है। जहां चाह, वहां राह। प्रतिभाओं की कमी नहीं है। उन्हें तलाशने और तराशने की जरूरत है।

सावन का मतलब ही आनंद और उल्लास है-पीएम ने कहा- इस समय सावन का महीना चल रहा है। महादेव की आराधना के साथ सावन हरियाली और खुशहाली से जुड़ा होता है। इसका बहुत महत्व रहा है। सावन के झूले, सावन की मेंहदी, सावन के उत्सव। सावन का मतलब ही आनंद और उल्लास है। इस आस्था और परंपराओं का एक पक्ष और भी है। ये हमें गतिशील बनाते हैं। शिव अराधना के लिए कितने ही भक्त कांवड़ यात्रा पर निकलते हैं। 12 ज्योतिर्लिंगों पर भी श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। बनारस पहुंचने वाले लोगों की संख्या रिकॉर्ड तोड़ रही है। हर साल वहां 10 करोड़ से ज्यादा पर्यटक पहुंच रहे हैं। अयोध्या, मथुरा और उज्जैन पहुंचने वालों की संख्या भी बढ़ रही है।

PM बोले- 50 हजार से ज्यादा अमृत सरोवर बनाए जा रहे-प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा- अभी 50 हजार से ज्यादा अमृत सरोवर बनाने का काम चल रहा है। देशवासी पूरी जागरुकता और जिम्मेदारी के साथ जल संरक्षण के लिए प्रयास कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश में एक दिन में 30 करोड़ पेड़ लगाने का रिकॉर्ड बनाया गया है। राज्य सरकार ने अभियान की शुरुआत की और लोगों ने इसे पूरा किया। ऐसे प्रयास जनभागीदारी के साथ जन जागरण के बड़े उदाहरण हैं। हम सब भी पेड़ लगाने और पानी बचाने के प्रयासों का हिस्सा बनें।

उज्जैन में 18 कलाकर बना रहे चित्रकथाएं-प्रधानमंत्री ने कहा- हम न केवल अपनी विरासत को अंगीकार करें, बल्कि उसे जिम्मेदारी से साथ विश्व के सामने प्रस्तुत भी करें। मुझे खुशी है कि ऐसा ही एक प्रयास इन दिनों उज्जैन में चल रहा है। यहाँ देशभर के 18 चित्रकार, पुराणों पर आधारित आकर्षक चित्रकथाएँ बना रहे हैं। ये चित्र, बूंदी शैली, नाथद्वारा शैली, पहाड़ी शैली और अपभ्रंश शैली जैसी कई विशिष्ट शैलियों में बनेंगे। इन्हें उज्जैन के त्रिवेणी संग्रहालय में प्रदर्शित किया जाएगा, यानी कुछ समय बाद जब आप उज्जैन जाएंगे, तो महाकाल महालोक के साथ-साथ एक और दिव्य स्थान के आप दर्शन कर सकेंगे।

अप्रैल में पूरे हुए थे 100 एपिसोड

पीएम का मन की बात 3 अक्टूबर 2014 को शुरू हुआ था और हर महीने के अंतिम रविवार को सुबह 11 बजे ब्रॉडकॉस्ट/ टेलीकास्ट किया जाता है। 30 मिनट के कार्यक्रम ने 30 अप्रैल 2023 को 100 एपिसोड पूरे किए हैं। 22 भारतीय भाषाओं और 29 बोलियों के अलावा मन की बात 11 विदेशी भाषाओं में ब्रॉडकॉस्ट किया जाता है।

एस जयशंकर बोले- खनिज सुरक्षा साझेदारी में भारत को शामिल करना बेहद अहम

नई दिल्ली। हमारे हाथ में मौजूद फोन हो या फिर गाड़ियां, अंतरिक्ष में जाने वाले रॉकेट या लैपटॉप आदि सभी इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों में सेमीकंडक्टर का इस्तेमाल हो रहा है। सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री आज दुनिया की प्रमुख इंडस्ट्री बन गई है। यही वजह है कि दुनिया के कई देश इस क्षेत्र पर खासा फोकस कर रहे हैं। अब भारत ने भी इस दिशा में तेजी से कदम बढ़ाए हैं। गुजरात के गांधीनगर में आयोजित हो रही सेमीकॉन इंडिया कॉन्फ्रेंस 2023 भी इसी का हिस्सा है। रविवार को इस कॉन्फ्रेंस को भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी संबोधित किया।

सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री में भारत-अमेरिका में बढ़ रहा सहयोग-इस दौरान एस जयशंकर ने अपने संबोधन में कहा कि आज सेमीकंडक्टर के मुद्दे पर भारत काफी वैश्विक बातचीत कर रहा है। इनमें मार्च 2023 में अमेरिका और भारत के बीच सेमीकंडक्टर सप्लाई चेन और अनुसंधान को लेकर एमओयू पर हस्ताक्षर होना अहम है। जून 2023 में जब प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिका का दौरा किया था, उस वक्त भी राष्ट्रपति बाइडन और प्रधानमंत्री मोदी के बीच सेमीकंडक्टर मुद्दे पर काफी बातचीत हुई थी। एस जयशंकर ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच की साझेदारी अब कई अन्य क्षेत्रों में भी बढ़ रही है और समय के साथ इसमें मजबूती आएगी। उदाहरण के लिए अंतरिक्ष में भारत ने आर्टेमिस अकॉर्ड पर हस्ताक्षर किए हैं और नासा और इसरो की साझेदारी भी मजबूत हो रही है। क्रिटिकल एंड इमर्जिंग टेक्नोलॉजी ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था का अहम तत्व है। विदेश मंत्री ने कहा कि हमारी आर्थिक और सामाजिक गतिविधियों में ये तकनीक बड़े बदलाव ला सकती है और किसी भी ताकतवर देश के लिए बेहद अहम साबित होगी। जयशंकर ने चिप वॉर का भी जिक्र किया। विदेश मंत्री ने कहा कि खनिज सुरक्षा साझेदारी में भारत की एंट्री बेहद अहम है। इससे सुरक्षित सप्लाई चेन के क्षेत्र में विविधता आएगी। भारत में 5जी की शुरुआत हो चुकी है और हमने इस मामले में गति पकड़नी शुरू कर दी है। इस बीच भारत में 6जी सेवाएं और अमेरिका में नेक्सजी अलायंस में सहयोग अहम साबित होगा। बता दें कि खनिज सुरक्षा साझेदारी में अमेरिका के नेतृत्व में 14 देश (ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, फिनलैंड, फ्रांस, जर्मनी, जापान, कोरिया गणराज्य, स्वीडन, ब्रिटेन, यूरोपीय आयोग, इटली और अब भारत) सहयोगी हैं।

इसरो ने फिर किया कमाल, सात सैटेलाइट लेकर पीएसएलवी-सी 56 ने भरी उड़ान

श्रीगरिकोटा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने चंद्रयान-3 के बाद आज रविवार को फिर कमाल कर दिया। श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से पीएसएलवी-सी56 रॉकेट के जरिए सिंगापुर के पृथ्वी अवलोकन उपग्रह DS-SRA सहित सात उपग्रहों को आज सुबह 6.30 बजे सफलतापूर्वक लॉन्च कर दिया गया। इसरो ने बताया कि सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से पीएसएलवी-सी56 को रविवार सुबह 6.30 बजे प्रक्षेपित किया जाना निर्धारित किया गया था, जो सफल रहा। 360 किलोग्राम वजनी इस रॉकेट में इजरायल एयरोस्पेस द्वारा विकसित सिंथेटिक एपर्चर रडार लगाया गया है, जो उपग्रह को सभी मौसमों में दिन-रात तस्वीर लेने में सक्षम बनाता है।

डीएस-एसएआर उपग्रह डीएसटीए (सिंगापुर सरकार का प्रतिनिधित्व) और एसटी इंजीनियरिंग के बीच साझेदारी के तहत विकसित किया गया है।

पीएसएलवी रॉकेट की 58वीं उड़ान-डीएस-एसएआर के साथ ही न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड के छह उपग्रहों को भी उनकी कक्षा में भेजा गया है। इसमें 23 किलोग्राम का वेलोक्स-एएम सूक्ष्म उपग्रह, एआरसीएडीई प्रायोगिक उपग्रह, स्कूब-2, 3यू नैनोसैटेलाइट, गैलासिया-2, ओआरबी-12 स्ट्राइडरशामिल हैं। इसरो ने बताया कि उपग्रहों को निर्धारित कक्षा में सफलतापूर्वक प्रक्षेपित करने के लिए यह पीएसएलवी रॉकेट की 58वीं उड़ान है। न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड इसरो की वाणिज्यिक शाखा है और उपग्रहों को सिंगापुर में ग्राहकों की सेवा के लिए लॉन्च किया गया है। 44.4 मीटर लंबा चार चरण वाला वाहन पीएसएलवी-सी56 ने 228 टन भार के साथ शार रेंज से प्रथम लॉन्च पैड से उड़ान भरी। इसरो ने बताया कि पीएसएलवी-सी55/टीलियोस-2 के अप्रैल में हुए सफल प्रक्षेपण के बाद मिशन को अंजाम दिया गया है। इस मिशन से सिंगापुर के लोगों की जरूरतें पूरी होंगी।

पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य वेंटिलेटर पर

कोलकाता । बायलेटरल निमोनिया से पीड़ित पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य को वेंटिलेटर पर रखा गया है। उन्हें शनिवार अपराह्न अलीपुर के वुडलैंड अस्पताल में भर्ती कराया गया था। रातभर आठ चिकित्सकों की टीम ने उन पर निगरानी रखी। उन्हें मिक्स्ड रेस्पिरेट्री फेलियर हुआ है। दो साल पहले कोरोना संक्रमित होने के बाद उन्हें अस्पताल में वेंटिलेटर पर रखने की जरूरत पड़ी थी। तब उनके फेफड़े में भी संक्रमण हुआ था। अस्पताल के एक चिकित्सक ने रविवार सुबह बताया कि पूर्व मुख्यमंत्री को सांस लेने पर दिक्कत है। लंबे समय से उम्र जनित बीमारियों से पीड़ित

भट्टाचार्य का घर पर इलाज चलता रहा है। बालीगंज के पॉम एवेंयू स्थित आवास पर शनिवार सुबह उनकी तबीयत बिगड़ी। अपराह्न चिकित्सकों के परामर्श पर उन्हें तत्काल ग्रीन कॉरिडोर बनाकर अलीपुर के वुडलैंड अस्पताल में भर्ती कराया गया।

अहमदाबाद में अस्पताल के बेसमेंट में लगी आग, 100 मरीजों को निकाला गया बाहर

अहमदाबाद। गुजरात के अहमदाबाद शहर में एक बहुमंजिला अस्पताल के बेसमेंट में रविवार को आग लग गई। जो देखते ही देखते आग एक बड़े हिस्से में फैल गई। ऐसे में एहतियात के तौर पर लगभग 100 मरीजों को अस्पताल से बाहर निकाला गया। इसकी जानकारी अधिकारियों ने दी। शाहीबाग पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, शहर के शाहीबाग इलाके में स्थित राजस्थान हॉस्पिटल के बेसमेंट में सुबह करीब साढ़े चार बजे आग लग गई।

मौके पर 20-25 फायर टेंडर

मौके पर दमकल की 20-25 गाड़ियां मौजूद हैं। आग अहमदाबाद के शाहीबाग इलाके के एक अस्पताल में लगी है। घटना पर फायर ऑफिसर जयेश खड़िया ने कहा, राजस्थान अस्पताल के दूसरे बेसमेंट में आग लग गई। हमें सुबह करीब 4:30 बजे फोन आया। आग

लगने का कारण का अभी पता नहीं चल पाया है। बेसमेंट में कुछ मरम्मत का काम चल रहा था। वहां कोई आग नहीं लगी है। हताहत की कोई सूचना नहीं है। मरीजों को भी बाहर निकालने के लिए कहा गया है। लगभग 20-25 फायर टेंडर मौके पर मौजूद हैं।

बेसमेंट से धुआं निकल रहा है

अग्निशमन दल आग पर काबू पाने के लिए काम कर रहे हैं। पुलिस निरीक्षक एमडी चंपावत ने कहा, अस्पताल के बेसमेंट जहां आग लगी थी, वहां से धुआं निकल रहा है। एहतियात के तौर पर बहुमंजिला इमारत से लगभग 100 मरीजों को बाहर निकाला गया है। आग लगने का कारण फिलहाल पता नहीं चल सका है। अस्पताल को एक चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा चलाया जाता है।

बेसमेंट में रखे सामान में लगी आग

अग्निशमन अधिकारी जयेश खड़िया ने कहा कि 10 मंजिला राजस्थान अस्पताल के दूसरे बेसमेंट में आग लग गई और सुबह करीब 4.30 बजे एक कॉल आई। अस्पताल में चल रहे रेनोवेशन कार्य के कारण बेसमेंट में रखे कई सामानों में आग लग गई और धुआं फैल गया। उन्होंने बताया कि आग पर काबू पाने के लिए करीब दो दर्जन दमकल की गाड़ियां मौके पर भेजी गई हैं। जानकारी के अनुसार, अस्पताल में सही वेंटिलेशन नहीं होने के कारण बेसमेंट से धुआं बाहर नहीं निकल पाया और अस्पताल के अंदर जमा हो गया। जिससे मरीजों को सांस लेने में दिक्कत हुई।

जमशेदपुर में खुलेगी देश की पहली हाइड्रोजन इंडस्ट्री, सीएम हेमंत सोरेन ने दी मंजूरी

जमशेदपुर। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने जमशेदपुर में हाइड्रोजन ईंधन से जुड़े देश के पहले उद्योग की स्थापना के लिए मंजूरी दे दी है। मुख्यमंत्री की इस पहल के बाद देश में जल्द हाइड्रोजन ईंधन से भी वाहन चलेंगे। इंजन निर्माण की ईकाई स्थापित करने के लिए सिंगल विंडो क्लीयरेंस कमेटी और हाई पावर कमेटी की मंजूरी की प्रत्याशा में इस प्रस्ताव पर टीजीईएसपीएल के साथ एमओयू हस्ताक्षर करने के प्रस्ताव पर सीएम ने सहमति दे दी है। इसके लिए प्रस्तावित निवेश 354.28 करोड़ है। इस कार्य में हाइड्रोजन इंजन बनाने की नवीनतम तकनीक का उपयोग होगा। टाटा मोटर्स और कमिंस इंक., टीसीपीएल जमशेदपुर में स्थापित होने वाले उद्योग में हाइड्रोजन आंतरिक दहन इंजन, फ्यूल-अग्नोस्टिक इंजन, एडवांस केमिस्ट्री बैटरी, एच 2 फ्यूल सेल और एच 2 फ्यूल डिलीवरी सिस्टम के तहत इंजन बनेगा।

354.28 करोड़ रुपए का निवेश

झारखंड औद्योगिक एवं निवेश प्रोत्साहन नीति 2021 के वर्गीकृत सेक्टरवार मेगा प्रोजेक्ट के अनुसार उपर्युक्त परियोजना निर्माण से संबंध रखती है। ईकाई से प्राप्त निवेश तथा प्रत्यक्ष नियोजन के आधार पर ईकाई का वर्गीकरण मेगा श्रेणी के अंतर्गत किया गया है। इस ईकाई की प्रस्तावित क्षमता 4000+ हाइड्रोजन आईसी इंजन

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने जमशेदपुर में हाइड्रोजन ईंधन से जुड़े देश के पहले उद्योग की स्थापना के लिए मंजूरी दे दी है। इस पहल के बाद देश में जल्द हाइड्रोजन ईंधन से भी वाहन चलेंगे।

/ फ्यूल-अग्नोस्टिक इंजन और 10,000+ बैट्री सिस्टम है। इसके लिए प्रस्तावित निवेश 354.28 करोड़ रुपए है। एक अनुमान के अनुसार ईकाई 310 से अधिक प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष लोगों का नियोजन सुनिश्चित हो सकेगा।

हाइड्रोजन ईंधन के फायदे

हाइड्रोजन ऐसा ईंधन है, जिसकी क्षमता अन्य ईंधनों के अपेक्षा अधिक होती है। इसका एनर्जी लेबल अधिक होता है। यह सस्ता और हल्का होता है। ऐसे में पेट्रोल और डीजल के बीच इसे एक बेहतर विकल्प माना जा सकता है। हाइड्रोजन ईंधन से प्रदूषण को काफी हद तक नियंत्रित करने में मदद मिल सकती है। भारतीय बाजार और विश्व स्तर पर हाइड्रोजन इंजन की जरूरतों को पूरा करने के लिए 4000+ हाइड्रोजन आईसी इंजन या ईंधन एग्नोस्टिक इंजन और 10,000+ बैट्री सिस्टम की उत्पादन क्षमता के निर्माण जरूरतों की आपूर्ति और नई सहायक इकाइयों की स्थापना के लिए स्थानीय औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देगा।

आज भी प्रासंगिक है प्रेमचंद का साहित्य

डॉ. वंदना सेन

प्रेमचंद्र सबसे पहले उपन्यासकार है, जिन्होंने उपन्यास साहित्य को तिलिस्मी दुनिया से बाहर निकाला और अपनी रचनाओं में जन साधारण की भावनाओं, परिस्थितियों और उनकी समस्याओं का मार्मिकता के साथ चित्रण किया। प्रेमचंद एक सच्चे समाज सुधारक थे। उन्होंने अपनी रचनाओं के माध्यम से समाज को सुधारने का प्रयास किया। प्रेमचंद ने अपने पात्रों का चुनाव समाज के उपेक्षित वर्ग से अधिक किया है। उन्होंने अपनी कहानियों में भारत के वंचित शोषित, दलित, पिछड़े और गरीब किसानों के लिए संघर्ष वर्णित किया है।

महान साहित्यकार मुंशी प्रेमचंद का साहित्य कालजयी है। उन्होंने देश और समाज के बारे में गंभीर चिंता करते हुए अपनी लेखनी चलाई है। समाज की जटिलताओं को कहानी और उपन्यासों के माध्यम से जिस प्रकार से प्रस्तुत किया है, उसके बारे में निश्चित रूप से कहा जा सकता है कि वे आज भी समसामयिक लगती हैं। कहा जाता है कि साहित्य वही है जो हमेशा प्रासंगिक बना रहे। प्रेमचंद जी ने समाज आधारित साहित्य की रचना की। जो आज भी नवोदित साहित्यकारों के लिए एक सार्थक दिशा का बोध कराता है। वास्तव में प्रेमचंद की रचनाएं समाज का दर्पण हैं। प्रेमचंद जी साहित्यकारों के उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए लिखते हैं कि साहित्यकार का काम केवल पाठकों का मन बहलाना नहीं है। यह तो भाटों और मदारियों, विदूषकों और मसखरों का ही काम है। साहित्यकार का पद इससे कहीं ऊंचा है, वह हमारा पथ प्रदर्शक होता है। वह हमारे मनुष्यत्व को जगाता है। हमारे सद्भावों का संचार करता है। हमारी दृष्टि को फैलाता है।

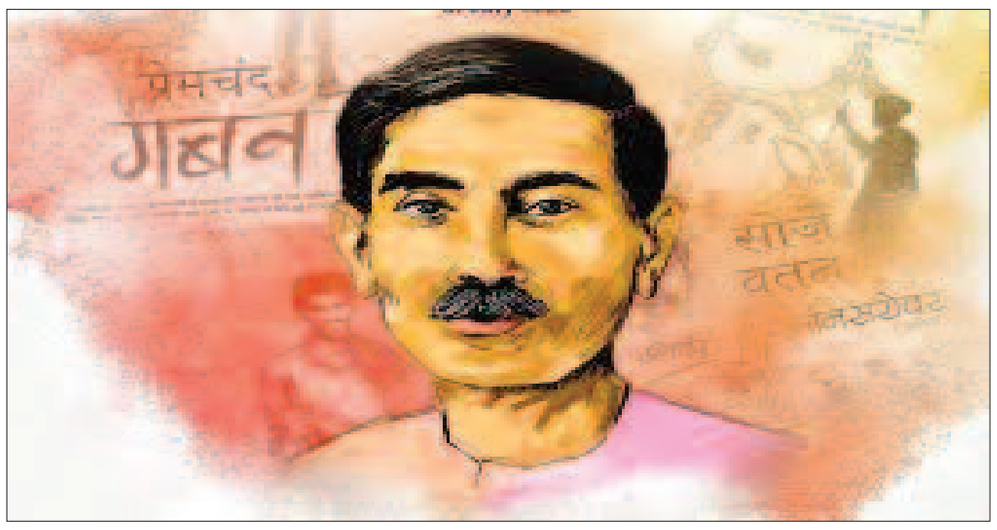

प्रेमचंद ने केवल मनोरंजन के लिए साहित्य रचना नहीं की, बल्कि अपनी रचनाओं के द्वारा समाज को नयी रूपरेखा, नये आदर्शों मे ढालने का प्रयास किया। उनके सृजन कर्म का उद्देश्य साहित्य के द्वारा समाज में प्रेम और भाईचारे का संदेश देने और एक ऐसे शोषण विहीन सामज की रचना करना था, जिसका आधार स्वतंत्रता हो। प्रेमचंद अपने साहित्य रचना के माध्यम से इस उद्देश्य में सफल रहे हैं।

उपन्यास सम्राट प्रेमचंद्र का जन्म 31 जुलाई 1880 को उत्तरप्रदेश के वाराणसी शहर से चार मील दूर लमही नामक गांव में हुआ था। इनके पिता का नाम अजायब राय और माता का नाम आनंदी देवी था। प्रेमचंद ने साहित्य की अनेक विधाओं पर अपनी लेखनी चलायी। उपन्यास के क्षेत्र में उनके योगदान को देखकर प्रसिद्ध बांग्ला उपन्यासकार शरतचंद्र चट्टोपाध्याय ने इन्हें उपन्यास का सम्राट कहकर संबोधित किया। प्रेमचंद ने नाटक, उपन्सास, कहानी, समीक्षा, लेख, संस्मरण संपादकीय आदि विधाओं में साहित्य का सृजन किया, पर उन्हें ख्याति कथाकार के रूप में प्राप्त हुई। अपने जीवनकाल में ही वे उपन्यास सम्राट की उपाधि से भी सम्मानित हुए। प्रेमचंद्र ने सन् 1936 में प्रगतिशील लेखक संघ के पहले सभापति के रूप में संबोधन किया। उनका यही भाषण प्रगतिशील आंदोलन के घोषणापत्र का आधार बना।

प्रेमचंद की भाषा हिंदी उर्दू मिश्रित थी। अलंकारों और मुहावरों ने उन्हें सजीवता प्रदान की। इनकी भाषा के कारण इनकी रचना के सभी पात्र व चरित्र हमारे समक्ष सजीव हो उठते हैं। यही इनकी भाषा की सबसे बड़ी ताकत है। इनकी भाषा सहज सरल एवं बोधगम्य है। साहित्य एक विराट उद्देश्य को लेकर चलने वाली विधा है और उसमें मनुष्य के सामाजिक जीवन को अधिक सूक्ष्मता एवं विस्तार से जांचा परखा जाता है। उपन्यास साहित्य की सशक्त एवं प्रवाहमय धारा है। मनुष्य चरित्र के अनेकानेक चित्र प्रस्तुत करने के लिए सबसे अधिक विकल्प उपन्यासकार के पास ही होते हैं।

प्रेमचंद्र के उपन्यास व्यष्टि और समष्टि की सटीक व्याख्या करते हैं। उसमें मनुष्यों की सैद्धांतिक जटिलताओं और प्रपंचों से मुक्ति पाने का संदेश दिया गया। उनके उपन्यास सहजता व सरलता का प्रसार करते हैं। प्रेमचंद्र के उपन्यासों की रचना उस दौर में हुई, जब भारत सरकार में अंग्रेजी राज और उसके अत्याचार चरम पर थे। उनके उपन्यास में तत्कालीन घटनाएं सजीवता के साथ चित्रित की गयी हैं। प्रेमचंद ने अपने समय में साहित्य और समाज के बीच एक मजबूत सेतु की भूमिका निभायी, जिससे आम आदमी के मन में भी साहित्य के लिए भरोसा पैदा हुआ। प्रेमचंद ने अपना साहित्य मानव जीवन के उत्थान को ध्यान में रखते हुए लिखा।

लोक संस्कृति के ऐतिहासिक संदर्भों एवं परम्पराओं को ध्यान में रखते हुए प्रेमचंद्र ने ग्रामीण जीवन की अनेक प्रवृतियां, सादगी और उनके जीवन दर्शन को अपने उपन्यास में अभिव्यक्त किया है। प्रेमचंद ने अपने उपन्यास गोदान में देश के किसानों के जीवन और उनके संघर्ष को मार्मिक संवेदनाओं के साथ चित्रित किया है। गोदान उपन्यास में किसान की नैया भूख और गरीबी के बीच झूलती रहती है। मगर फिर भी वह जरा भी विचलित नहीं होता, वह अपने आपको परिस्थितियों से घिरा नहीं मानता। गोदान में होरी का चरित्र भारतीय किसान को बड़ी ही सहजता से निरूपित करता है। गोदान में होरी की मृत्यु एक प्रतीक के रूप में ही है। जो किसान संस्कृति की अमरता और शाश्वतता के लिए चिर संघर्ष की चेतना का उद्घोष करता है। इसलिए गोदान उपन्यास का विश्व साहित्य मे एक महत्वपूर्ण स्थान है। गोदान में प्रेमचंद ने एक किसान को उपन्यास का नायक बनाकर प्रस्तुत किया है। गोदान भारतीय जीवन साहित्य की अनुपम कृति है।

प्रेमचंद चाहते थे कि देश की सभी माताएं अपने बेटों को वीरोचित संस्कार दें। प्रेमचंद ने अपने नारी पात्रों में देशभक्ति का एक उच्चतम शिखर दिखाया है। रंग भूमि में जान्हवी को यह मंजूर नहीं था कि उनका बेटा वीरों जैसी जिंदगी की बजाय प्रेम संबंधों में अपना ध्यान लगाए। विनय द्वारा सोफिया के नाम पत्र लिखा देखकर वह सोफिया को धिक्कारती हुई उससे कहती है मैं विनय को ऐसा मनुष्य बनाना चाहती है जिस पर समाज को गर्व हो। मैं अपने बेटों को सच्चा राजपूत बनाना चाहती हूं। आज वह किसी की रक्षा के निमित अपने प्राण दे तो मुझसे अधिक भाग्यवती संसार में न होगी।

प्रेमचंद्र सबसे पहले उपन्यासकार है, जिन्होंने उपन्यास साहित्य को तिलिस्मी दुनिया से बाहर निकाला और अपनी रचनाओं में जन साधारण की भावनाओं, परिस्थितियों और उनकी समस्याओं का मार्मिकता के साथ चित्रण किया। प्रेमचंद एक सच्चे समाज सुधारक थे। उन्होंने अपनी रचनाओं के माध्यम से समाज को सुधारने का प्रयास किया। प्रेमचंद ने अपने पात्रों का चुनाव समाज के उपेक्षित वर्ग से अधिक किया है। उन्होंने अपनी कहानियों में भारत के वंचित शोषित, दलित, पिछड़े और गरीब किसानों के लिए संघर्ष वर्णित किया है। उनकी कहानियां दलितों व स्त्रियों के दुःखों को उजागर ही नहीं करती, बल्कि उसे मार्मिक भी बना देती हैं। आधुनिक हिंदी साहित्य जगत में कहानी कला को अक्षुण्ण बनाये रखने वाली कहानीकारों में प्रेमचंद्र अग्रणी है। प्रेमचंद का लेखन उनके इस कथन को पूरी तरह से चरितार्थ करता है कि साहित्यकार देशभक्ति और राजनीति के पीछे चलने वाली सच्चाई नहीं, बल्कि उसके आगे मशाल दिखाती हुई चलने वाली सच्चाई है।

संपादकीय

दुर्भाग्यपूर्ण आत्मघात

यूं तो अल्पायु में हर मौत देश, समाज व परिवार की अपूरणीय क्षति होती है, लेकिन देश के शीर्ष पेशेवर शैक्षणिक संस्थानों में छात्रों की मौत का हालिया आंकड़ा दुखद व विचलित करने वाला है। ये वे प्रतिभाशाली छात्र थे जो कड़ी मेहनत व परिवार के त्याग से इस मुकाम तक पहुंचे थे। लाखों छात्रों में चुने गये प्रतिभाशाली छात्र थे, जिनसे देश को बड़ी उम्मीदें थीं। जाहिर है इन शिक्षण संस्थानों के अत्यधिक चुनौतीपूर्ण और प्रतिस्पर्धी माहौल से पार पाने में ये छात्र विफल रहे हैं। बहुत संभव है कई अन्य कारण भी हो सकते हैं, लेकिन प्रथम दृष्टया प्रतिस्पर्धी माहौल का दबाव ही होता है। जब उन्हें लगता है कि तप-त्याग व सीमित संसाधनों के बावजूद उनकी आवश्यकता पूर्ति करने वाले मां-बाप की आकांक्षाएं वे पूरी नहीं कर पा रहे हैं, तो कुछ ऐसा असामान्य उन्हें अपराधबोध से ग्रस्त कर देता है। जिसके चलते ही वे आत्मघाती कदम उठाते हैं। बुधवार को राज्यसभा में पेश किये गये आंकड़ों में खुलासा हुआ कि बीते पांच वर्षों में देश के चोटी के संस्थानों में 69 छात्रों ने आत्महत्याएं की। इनमें देश के शीर्ष इंजीनियरिंग संस्थान आईआईटी के 31 व एनआईटी के 22 छात्र शामिल हैं। इसी तरह एम्स में 13 व आईआईएम में तीन छात्रों ने आत्महत्या कर ली। आंकड़ों का विश्लेषण करने पर पता चलता है कि मरने वालों में 32 छात्र सामान्य श्रेणी के और 37 छात्र आरक्षित श्रेणी के थे। यह निष्कर्ष बताता है कि दोनों अलग-अलग पृष्ठभूमि के छात्र लगातार समान रूप से तनाव से प्रभावित रहे हैं। ये निष्कर्ष अब तक के इस तरह के आरोपों को खारिज करता है कि ये आत्महत्याएं किसी तरह के सामाजिक भेदभाव का नतीजा होती हैं। वहीं दूसरी ओर इन आंकड़ों के जरिये एक चौंकाने वाला खुलासा भी सामने आया कि इन संस्थानों से पढ़ाई बीच में ही छोड़ने वाले छात्रों की संख्या भी लगातार बढ़ी है। निस्संदेह, छात्रों द्वारा ये प्रतिष्ठित संस्थान छोड़ने के कारणों का व्यापक अध्ययन किया जाना जरूरी है।

दरअसल, यदि हम इन प्रतिष्ठित संस्थानों को छोड़ने वाले छात्रों के आंकड़ों पर नजर डालते हैं तो पाते हैं कि इन पांच सालों में जहां 8319 छात्रों ने आईआईटी में अपनी पढ़ाई पूरी नहीं की। वहीं दूसरी ओर करीब 5623 छात्रों ने वर्ष 2018 से 2022 तक एनआईटी से बाहर निकलने का विकल्प चुना। समाज विज्ञानियों का मानना है कि पढ़ाई का दबाव झेलने के बाद आत्महत्या करने वाले छात्र मां-बाप के सामने अपनी बात नहीं रख पाते। वे अपराधबोध से ग्रसित रहते हैं कि जिन मां-बाप ने उनकी पढ़ाई के लिये जीवन भर तपस्या की है, उन्हें वे कैसे निराश करें। जब उनके लिये यह दबाव झेलना असंभव हो जाता है तो वे आत्मघाती कदम उठाने का विकल्प चुनते हैं। उन्हें इस बात का पक्का विश्वास नहीं होता कि यदि वे मां-बाप के सामने अपनी समस्या खुलकर रखें तो वे उनके साथ खड़े होंगे। ऐसा नहीं है कि मां-बाप बच्चों के व्यापक हितों की अनदेखी करते हैं। लेकिन शैक्षणिक तनाव, मानसिक स्वास्थ्य और पारिवारिक पृष्ठभूमि जैसे कारक भी छात्रों को आत्मघात के लिये उन्मुख करते हैं। बहरहाल, हालात मां-बाप को आत्ममंथन करने को कहते हैं कि बच्चों का कैरियर जीवन से बड़ा नहीं हो सकता। उन्हें बच्चों के भविष्य की संभावनाओं के दूसरे विकल्पों पर भी विचार करना होगा। जरूरी नहीं है कि इंजीनियरिंग व डॉक्टरी के अलावा बेहतर भविष्य के दूसरे विकल्प नहीं हैं। पिछले अनुभव बताते हैं कि तमाम छात्र डॉक्टर व इंजीनियर बनने के बावजूद देश की शीर्ष प्रशासनिक व पुलिस आदि सेवाओं का विकल्प चुनते हैं। इस लक्ष्य को विज्ञान व मानविकी के विषयों में स्नातक बनकर हासिल किया जा सकता है। अभिभावकों को चाहिए वे बच्चों के सपनों को पूरा करने में सहयोग करें तथा अपनी ऐसी महत्वाकांक्षाओं न थोपें, जो उनके लिये असहनीय हो जाएं। इन शिक्षण संस्थानों को भी चाहिए कि वे अपने यहां तनाव से गुजर रहे छात्रों की विशेषज्ञों से काउंसलिंग कराएं, क्योंकि ये प्रतिभाएं राष्ट्र की अमूल्य संपदा है।

14500 पुराने स्कूलों को स्मार्ट बनाने में 27000 करोड़ खर्च करेगी सरकार

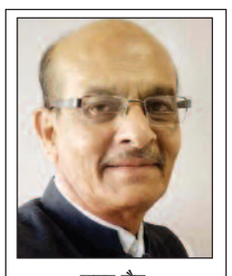

सनत जैन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020 के 3 वर्ष पूर्ण होने पर प्रगति मैदान दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि देश के 14500 पुराने स्कूलों को स्मार्ट स्कूल में परिवर्तित किया जाएगा। इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहली किस्त भी जारी कर दी है। स्मार्ट स्कूल प्रोजेक्ट के तहत 2022-23 से लेकर 2026 तक के 5 वर्षों में सरकार 27360 करोड रुपए खर्च करेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने ट्रेडिशनल नॉलेज सिस्टम और भविष्य की तकनीकी को ध्यान में रखते हुए शिक्षा देना प्राथमिकता है। पुरानी स्कूलों को स्मार्ट स्कूल में बदलने की योजना केन्द्र सरकार ने जो नई स्कीम तैयार की है। निश्चित रूप से उसमें कई दशकों से चल रहे पुराने स्कूलों की किस्मत खुलेगी। उनमें भवन बनेंगे और नए नए उपकरण आएंगे। जिससे बच्चों की पढ़ाई कराई जाएगी। समय के बदलाव के साथ-साथ शिक्षा पद्धति में जो बदलाव लाना आवश्यक है। स्कूलों की शक्ल सूरत बड़ी तेजी के साथ बदल रही है। पढ़ाई के तौर तरीके भी बदल रहे हैं।

छात्र और शिक्षक के बीच में संवाद कम होता जा रहा है। डिजिटल संवाद बढ़ता जा रहा है। इसका सबसे बड़ा नुकसान यह हो रहा है कि आगे पाठ पीछे सपाट की स्थिति छात्रों के बीच में देखने को मिल रही है। नेशनल एजुकेशन पॉलिसी में जिस तरह से डिजिटल उपकरणों और स्मार्टफोन के जरिए पढ़ाई कराई जा रही है। उसका अच्छा असर बच्चों में नहीं पड़ता वह देख रहा है। संयुक्त राष्ट्र संघ ने संचार माध्यम और डिजिटल के सहारे जो पढ़ाई हो रही हैं। उससे स्कूली बच्चों के बौद्धिक विकास की शिक्षा नहीं मिल रही है। फ्रांस जैसे विकसित राष्ट्र ने अपने स्कूलों में स्मार्टफोन और डिजिटल तरीके से कराई जा रही पढ़ाई को प्रतिबंधित कर दिया है। उसके स्थान पर क्लास के अंदर टीचर और स्टूडेंट के बीच में लगातार संवाद हो, यह प्रक्रिया शुरू कर दी है। अंतरराष्ट्रीय संस्था यूनेस्को ने भी स्मार्टफोनऔर डिजिटल पढ़ाई का विरोध किया है। स्कूली स्तर पर पुरानी परंपरागत तरीके से पढ़ाई कराए जाने के बेहतर परिणाम मिले हैं। जहां पर ऑनलाइन डिजिटल और स्मार्टफोन के जरिए पढ़ाई कराई जा रही है। वहां उसके दुष्परिणाम देखने को मिले हैं। यूनेस्को ने दुनिया भर के सभी देशों से कहा है कि वह अपनी शिक्षा नीति में बदलाव लाएं। परंपरागत शिक्षा को ही आगे बढ़ाने का काम किया जाना चाहिए।

दुनिया भर के देशों में पढ़ाई में आये बदलाव को लेकर बड़ा अध्ययन किया गया है। इस अध्ययन के जो परिणाम सामने आए हैं, वह बहुत चौंकाने वाले हैं। पिछले एक दशक में डिजिटल पढ़ाई तेजी के साथ क्लास रूम और होमवर्क में बढ़ी है। विकसित देशों के बच्चों में डिजिटल और स्मार्टफोन के जरिए जो पढ़ाई कराई जा रही है। उसके दुष्परिणाम देखने को मिले हैं। बच्चों का मानसिक विकास बहुत कम हुआ है। उनकी सोचने समझने और तर्क करने की क्षमता पहले की तुलना में बहुत कम हुई है। पढ़ाई के दौरान जो शंका एवं जिज्ञासा उनके मन में जन्म लेती हैं, उनके निराकरण के लिए शिक्षक ना होने का दुष्परिणाम देखने को मिला है। स्कूली बच्चों की याददाश्त कम हो रही है। वह जो पढ़ाई करते हैं। परीक्षा देने के पश्चात वह भूल जाते हैं, उन्हें याद नहीं रहता है। छात्रों और शिक्षकों के बीच में संवाद कम हो गया है। छात्रों की जिज्ञासाओं का समाधान नहीं हो रहा है। दुनियाभर में जो स्कूल चल रहे हैं, उस पढ़ाई का असर बच्चों पर पड़ता हुआ नहीं दिख रहा है। जिसके कारण यूनेस्को जैसी संस्था को पुरानी परंपरागत तरीके से पढ़ाई कराने पर जोर दिया जा रहा है। यह भी माना जा रहा है, कि मातृभाषा में जो पढ़ाई होती है, पढ़ाई में जो संवाद होता है, जिज्ञासाओं का समाधान, जिन स्कूलों में शिक्षकों द्वारा छात्रों के बीच किया जाता है, उनके परिणाम बहुत बेहतर पाए गए हैं। मातृभाषा में स्कूली बच्चे जल्दी से विषय को समझते हैं। जहां दूसरी भाषा में स्कूल के छात्रों को जो शिक्षा दी जाती है, वह उनके पल्ले नहीं पड़ती है। जिसके कारण मातृभाषा में शिक्षा दिए जाने की बात भी बड़े पैमाने पर होने लगी है। निश्चित रूप से समय के बदलाव के अनुसार पढ़ाई के तौर-तरीके बदलने होंगे। स्कूलों और शिक्षकों को भी स्मार्ट बनाना होगा। प्रधानमंत्री ने जो निर्णय लिया है, वह अच्छा है। इसमें एक ही खतरा है, मशीनें कभी मनुष्य का विकल्प नहीं बन सकती हैं। परीक्षा पास होना अलग बात है। लेकिन ज्ञान हासिल करना अलग बात है। भारत सरकार को सतत सर्वेक्षण कराकर स्कूलों में किस तरह से पढ़ाई होनी चाहिए। स्मार्ट स्कूल और स्मार्ट क्लासेस बनाई जा रही हैं, उनका स्कूली बच्चों में किस तरीके का असर हुआ है। इसका लगातार अध्ययन कराने की जरूरत है. स्कूलों में प्राइमरी और मिडिल की शिक्षा छात्र के लिए बड़ी महत्वपूर्ण होती है। प्राइमरी और मिडिल में छात्र स्कूलों में जो कुछ सीखते हैं। वह जीवन भर उनके काम आता है। समय और उम्र के साथ ज्ञान विकसित होता जाता है। भारत में प्राइमरी और मिडिल की शिक्षा पूर्व की तुलना में बहुत खराब हुई है। स्कूलों में मास्टर उपलब्ध नहीं है। छात्रों की जिज्ञासाओं का समाधान नहीं हो पा रहा है। जो हैं, वह परीक्षा देने के बाद भूल जाते हैं। आशा है, केंद्र एवं राज्य सरकारें स्कूलों की पढ़ाई में कम से कम हस्तक्षेप करें। स्कूलों में पर्याप्त संख्या में शिक्षक तैनात किए जाएं। स्कूलों में नैतिक शिक्षा, सामाजिक विज्ञान, शारीरिक विकास के लिए खेलकूद प्रतिस्पर्धा, हिंदी-अंग्रेजी भाषा अथवा जिन राज्यों में हिंदी के अलावा कोई अन्य मातृभाषा है, तो उन्हें मातृभाषा के साथ अंग्रेजी और हिंदी में पारंगत ज्ञान होना जरूरी है। हर स्कूल में कंप्यूटर और डिजिटल तकनीकी का प्रारंभिक ज्ञान स्कूली शिक्षा में दिया जाना चाहिए। भारत जैसे देश में मातृभाषा, हिंदी अथवा अंग्रेजी भाषा का बेहतर ज्ञान आवश्यक है। कंप्यूटर और डिजिटल तकनीकी का प्राइमरी लेवल का ज्ञान अच्छा होगा। तब भारत का युवा आज सारी दुनिया में और सारे देश में जाकर काम करने के लिए सक्षम होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जो पहल की है, वह स्वागत योग्य है। इसकी निरंतर समीक्षा की जाना भी जरूरी है। समय परिवर्तन के साथ बच्चे भी शिक्षा के साथ कदमताल करते हुए आगे बढ़ सकें।

वैश्विकी: मोदी शी जिनपिंग संवाद

डॉ. दिलीप चौबे

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने पिछले वर्ष नवम्बर में इंडोनेशिया के बाली में द्विपक्षीय संबंधों और सीमा के हालात के बारे में संवाद किया था, जिसका खुलासा 8 महीने बाद हाल में हुआ।

दक्षिण अफ्रीका में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल और उनके चीनी समकक्ष वांग यी के बीच बातचीत के बाद चीन की ओर से जारी विज्ञप्ति में पहली बार यह तथ्य प्रकाश में आया कि मोदी और जिनपिंग ने सीमा पर स्थिरता बनाए रखने के बारे में वार्ता की। पहले विदेश मंत्रालय की ओर से केवल इतना कहा गया था कि दोनों नेताओं ने केवल शिष्टाचार संबंधी कुशलक्षेम का आदान-प्रदान किया था। जाहिर है कि मामले की संवेदनशीलता और घरेलू राजनीति की पेचीदगी को ध्यान में रखते हुए इस वार्ता के बारे में पहले नहीं बताया गया। कूटनीतिक दृष्टि से यह अच्छा संकेत है कि दोनों नेताओं के बीच फिर संवाद कायम हुआ है।

इसका अगला तार्किक कदम जी-20 शिखर वार्ता के दौरान दोनों नेताओं के बीच औपचारिक विचार-विमर्श होना चाहिए। लेकिन इस संभावित वार्ता के पहले चीन अपने पुराने अड़ियल रवैये पर कायम दिखाई देता है। हाल में चीन में आयोजित अंतरराष्ट्रीय वुशू स्पर्धा में भाग लेने वाली भारतीय टीम के अरुणाचल प्रदेश से आने वाले तीन खिलाड़ियों को चीन ने सामान्य वीजा के स्थान पर स्टेपल वीजा जारी किया। भारत में विरोध स्वरूप अपने खिलाड़ियों को नहीं भेजने का फैसला किया। विदेश मंत्रालय ने चीन की इस कार्रवाई की तीखी आलोचना की। भारत ने इस संबंध में चीन से विरोध व्यक्त किया तथा चेतावनी दी कि भारत इस कार्रवाई का जवाब देने का अधिकार सुरक्षित रखता है। पूर्व राजनयिकों ने यह सुझाव दिया है कि भारत को तिब्बत से संबंध रखने वाले चीनी खिलाड़ियों को भी इसी तरह का वीजा जारी करना चाहिए।

राजनयिक स्थिति यह है कि भारत तिब्बत को चीन का हिस्सा मानता है जबकि चीन अरुणाचल प्रदेश को एक विवादित हिस्सा करार देता है। इसी आधार पर पिछले अनेक वर्षो से चीन की ओर से स्टेपल वीजा जारी किए जाते रहे हैं। पहले भारत ने मामले को ज्यादा तूल नहीं दिया था, लेकिन वर्ष 2021 के गलवान घाटी संघर्ष के बाद हालात बदल गए हैं। भारत अब जवाबी कार्रवाई करने के मूड में है। चीन यदि भारत के बारे में संवेदनशील नहीं है तो उसे भारत से भी ऐसी अपेक्षा नहीं करनी चाहिए।

राजनयिक हलकों में चीन के सबसे बड़े पैरोकार भारतीय मूल के एक विद्वान किशोर मेहबुबानी ने, 'एशिया की सदी' शीर्षक से एक चर्चित पुस्तक में लिखा है कि दुनिया के पिछले दो हजार साल के इतिहास में 1800 वर्ष के कालखंड में भारत और चीन दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देश रहे हैं। पिछले दो सदियों के दुर्दिन कालखंड से ऊपर उठकर अब सन दोनों देशों के सामने फिर दुनिया का सिरमौर बनने का अवसर है। साथ ही उन्होंने चेतावनी दी है कि आपसी संघर्ष के कारण भारत और चीन यह अवसर गंवा सकते हैं।

संतोष की बात यह है कि पूर्वी लद्दाख में दोनों देशों की सेना की तैनाती के बावजूद सीमा पर सामान्य रूप से शांति कायम है। दोनों देश किसी हिंसक वारदात की पुनरावृत्ति रोकने के लिए तत्पर दिखाई देते हैं। चीनी नेतृत्व यदि बुद्धिमता का परिचय दे तो संबंधों को फिर पटरी पर लाया जा सकता है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर यह बार-बार स्पष्ट कर चुके हैं कि द्विपक्षीय संबंधों को फिर पटरी पर लाने के लिए सीमा से सेना को पीछे हटाने तथा शांति एवं सामान्य स्थिति कायम रखना एक आवश्यक शर्त है।

भारत और चीन की अर्थव्यवस्थाएं एक-दूसरे से कितनी जुड़ी हुई हैं इसका एक संकेत चीन से भारत को होने वाला भारी निर्यात है। अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष के अनुसार वर्ष 2022 में चीन का भारत को निर्यात 120 अरब डॉलर था। चीन दुनिया में भारत के लिए सबसे बड़ा निर्यातकर्ता देश है।

भारत का औषधि उद्योग चीन से आने वाले कच्चे माल पर निर्भर है। प्रधानमंत्री मोदी के आत्मनिर्भर भारत के अभियान के बावजूद चीन के निर्यात पर भारत की निर्भरता फिलहाल कम होने वाली नहीं है। द्विपक्षीय व्यापार दोनों देशों के बीच संबंधों को सामान्य बनाने के लिए बढ़ावा दे सकता है।

डीएम-एसपी से मिले पोल्ट्री फार्म कारोबारी

● सावन में बंद किए गए कारोबार को फिर से चालू कराए जाने की मांग

संवाददाता

बिजनौर । सावन माह में कांवड़ यात्रा के मद्देनजर जिले भर में बंद कराए गए पोल्ट्री व नॉनवेज होटल कारोबारी दर्जनों की संख्या में इकट्ठा होकर कलेक्ट्रेट पहुंच गए। डीएम-एसपी से अलग-अलग मुलाकात कर कारोबार को शुरू कराए जाने की मांग को लेकर एक ज्ञापन सौंपा। उन्होंने दोनों अफसरों से मिलकर कहा की कारोबार बंद होने से उनके आगे रोजी-रोटी का संकट पैदा हो गया है। जल्द कारोबार को शुरू कराए जाने की मांग की। दरअसल बिजनौर जिले में सावन माह में कांवड़ यात्रा के मद्देनजर जिले भर के सभी पोल्ट्री-नॉनवेज होटल व मीट की दुकानों को बंद करवा दिया है। लगभग 1 महीने से बंद करो बार को फिर से शुरू कराए जाने की मांग को लेकर आज पोल्ट्री व्यापारी भारी तादाद में इकट्ठा होकर कलेक्ट्रेट पहुंचे और जिला अधिकारी उमेश मिश्रा एवं

पुलिस अधीक्षक नीरज जादौन से अलग अलग मिलकर पोल्ट्री कारोबार में आ रही समस्याओं से अवगत कराते हुए कारोबार को फिर से चालू कराए जाने की मांग की।

पोल्ट्री फार्म कारोबारियों का कहना है की सावन में सभी व्यापारियों को अपना पोल्ट्री व्यापार बंद करने का नोटिस दिया गया है। जिस पर दुकानें बंद कराने की तिथि अंकित है लेकिन दुकानें कितने दिन बंद रखनी है। यह नहीं बताया गया है। पोल्ट्री व्यापारी असमंजस की स्थिति में हैं। अन्य जिलों में पोल्ट्री व्यापार आरंभ हो चुका है। जबकि जिले में अभी भी बन्द है। व्यापार बंद होने से रोजी-रोटी का संकट आ गया है। जिला अधिकारी उमेश मिश्रा से मिलकर बाहर आए पोल्ट्री कारोबारियों ने बताया कि डीएम साहब ने उनसे कहा कि कांवड़ मार्गों को छोड़कर हमारे द्वारा किसी का भी कारोबार बंद करने का आदेश नहीं दिया गया है। मुख्यमंत्री के आदेश अनुसार कांवड़ मार्गों पर ही मीट की दुकानें बंद रहेंगी। किसी का भी कारोबार बंद नहीं कराया जाएगा। इसी के साथ साथ जिला अधिकारी ने एसपी से मिलने की सलाह दी।

इसके बाद सभी पोल्ट्री कारोबारी एसपी कार्यालय पहुंचे और एसपी नीरज कुमार जादौन से अपनी समस्या बताई बाहर आकर पोल्ट्री कारोबारियों ने बताया कि एसपी ने उन्हें बताया की जिस काम के बंद करने के हमारे द्वारा आदेश नहीं हुए हैं। उस काम को खोलने के हम क्या आदेश दें। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा हमारे द्वारा इस तरह की कोई पाबंदी नहीं लगाई गई है। कहा कांवड़ मार्गों पर मीट की दुकानें बंद करने के मुख्यमंत्री जी के आदेश थे। उन्हीं का पालन कराया जा रहा है। कांवड़ मार्गों को छोड़कर किसी पर कोई पाबंदी नहीं लगाई गई है। कारोबारियों ने बताया कि एसपी ने उन्हें आश्वस्त करते हुए कहा यदि किसी कारोबारी का उत्पीड़न या किसी पोल्ट्री से संबंधित गाड़ी वाले का पुलिस द्वारा उत्पीड़न किया गया हो तो हमें बताएं हम तुरंत उस पर कार्रवाई करेंगे। साथ ही कारोबारियों को संतुष्ट तरीके से जवाब देते हुए कहा कि सभी कारोबारियों को एक दूसरे के त्योहार के प्रतिष्ठा के साथ चलना चाहिए।

ऐसा कोई काम ना हो जिससे एक समुदाय से दूसरे समुदाय के लोगों को ठेस पहुंचे। उन्होंने कहा दुकानदारों को भी अपनी सफाई व्यवस्था दुरुस्त रखनी चाहिए और पैकिंग व्यवस्था को दुरुस्त करना चाहिए। पोल्ट्री व्यापारियों में दीपक कुमार, रजत कुमार, ताहिर हुसैन, नजाकत, नदीम ,मोहम्मद अरशद, राजीव कुमार ,कुलजीत ,सनी, सुहेल, दानिश, प्रवेंद्र कुमार, संजीव कुमार ,योगेंद्र सिंह ,मोहम्मद फैसल ,मुस्तकीम अहमद आदि मौजूद रहे

बिजनौर: गुलदार की तलाश के लिए अभियान शुरू

बिजनौर । गुलदार की तलाश के लिए विशेषज्ञों की टीम दो एक्सपर्ट हथनियों के साथ गांव पहुंच गई है। अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक के नेत्रवत में पहुंची टीम ने पीड़ित परिवार और ग्रामीणों से जानकारी कर गुलदार की तलाश के लिए अभियान शुरू कर दिया है। पिछले 7 माह में गुलदार 11 लोगों की जान ले चुका है। भारतीय किसान यूनियन ने 31 जुलाई को कमिश्नर का घेराव करने का एलान किया है। 3 दिन पहले कोतवाली देहात के तेलीपुरा इलाके में पिता के साथ खेत पर काम करने गए संदीप के ऊपर गुलदार ने हमला कर उसकी जान ले ली थी।

संदीप की मौत के बाद सैकड़ों ग्रामीण व किसान यूनियन के लोगों ने जमकर हंगामा किया था। गुलदार को नरभक्षी घोषित करने की मांग की थी। गुलदार की तलाश के लिए अब एक्सपर्ट की टीम बिजनौर पहुंच गई है। टीम में अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक परियोजना बी प्रभाकर, महाप्रबंधक उत्पादक उत्तर प्रदेश वन निगम संजय कुमार, वन संरक्षक मुरादाबाद रमेश चंद्र, पीलीभीत से जेके सिंह डब्ल्यूपी आई, डीएफओ बिजनौर नजीबाबाद आशुतोष मित्तल शामिल हैं। दुधवा राष्ट्रीय उद्यान से दो हथिनी सुलोचना और डायना आई हैं। दोनों की उम्र 35 साल है। सुलोचना को 2008 में पश्चिम बंगाल और डायना को साल 2017 में कर्नाटक से लाया गया था। दोनों हथिनी को गुलदार की तलाश के लिए तैनात किया गया है। दोनों हथिनी और टीम घटनास्थल पर पहुंच गई हैं और टीम ने गुलदार की तलाश शुरू कर दी है।

वहीं भारतीय किसान यूनियन के मंडल अध्यक्ष बाबूराम तोमर ने प्रेस रिलीज जारी कर बताया कि 31 जुलाई को यूनियन के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मुरादाबाद में मंडलायुक्त का घेराव करेंगे। उनका कहना है कि अभी तक सिर्फ एक ही गुलदार को नरभक्षी घोषित किया है। जबकि अभी जिले में कई गुलदार नरभक्षी हैं, जिन को पकड़ने के लिए ठोस कदम उठाए जाने की जरूरत है। इसके बाद भी अगर वन विभाग के अधिकारीयों ने कुछ नहीं किया तो अगले सप्ताह बिजनौर वन विभाग के खिलाफ आंदोलन चलाया जाएगा।

बारिश की वजह से गिरा गरीब का आशियाना

संवाददाता

बिजनौर । बारिश के चलते एक तरफ जहां जिले की कई नदियां उफान पर हैं, तो वहीं अब यह बारिश आफत की बारिश बनती नजर आ रही है। बारिश की वजह से एक मकान भरभरा कर गिर गया। घर में मौजूद लोगों ने भागकर अपनी जान बचाई। प्रशासन से मकान को बनवाए जाने व मुआवजे की गुहार लगाई गई। दरअसल, पिछले कई दिनों से लगातार रुक-रुक कर बारिश हो रही के चलते जिले भर की कई नदियां उफान पर हैं और गंगा खादर इलाके के कई गांव के किसानों के खेतों में पानी भर गया है। जिससे फसलें बर्बाद हो गई हैं खेतो ने खड़ा गन्ना

,धान,और चारा की 75 प्रतिशत तक फसल बर्बाद हो गई है। वहीं अब यह बारिश लोगों के लिए आफत की बारिश बनती हुई नजर आ रही है। एक तरफ जहां किसानों की फसलें बर्बाद हो रही है, तो वहीं कई इलाकों में पानी की वजह से आवाजाही बंद हो गई है। साथ ही बारिश की वजह से अब गरीबों के सर से छत भी गायब होने शुरू हो गई है। ताजा मामला बिजनौर के हीमपुर दीपा थाना क्षेत्र के फेजीपुर खादर का है। जहां के रहने वाले बिंदर पुत्र हरज्ञान का मकान की छत अचानक से भरभरा कर गिर गई। गनीमत रही कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। बताया जा रहा है कि जिस वक्त मकान गिरा उस वक्त परिवार के सदस्य काम में लगे हुए थे, जैसे मकान की छत गिरने का अंदाजा हुआ तो वह घर से बाहर निकल गए ।

मकान की छत गिरने से गरीब का घर में रखा लाखों रुपए का सामान और मकान पूरी तरह से धराशाई हो गया है । पीड़ित ने प्रशासन से मकान बनवाए जाने और मुआवजे की गुहार लगाई है।

सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का समापन

संवाददाता

धामपुर। नगर के शुभम मंडप में चल रहे सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ महोत्सव का सामूहिक हवन यज्ञ एवं विशाल भंडारे के साथ समापन हो गया है। इस दौरान सात दिवसीय कथा में सहयोग एवं योगदान देने वाले अनेक समाजसेवियों एवं सनातन परिवारों को विशेष सम्मान भी प्रदान किया गया समापन कार्यक्रम में नगर के विभिन्न भागों एवं आसपास के ग्रामों से पहुंचे। समापन कार्यक्रम की शुरूआत कथा व्यास आचार्य संजीव वशिष्ठ जी महाराज के संरक्षण में सामूहिक पूजन से की गई जिसमें मुख्य यजमान के रूप में शशि देवी गुप्ता, अशोक कुमार अग्रवाल, एवं शालिनी अग्रवाल, स्तुति एरन ,पल्लव एरन, विधु एरन, पराग अग्रवाल ,निधि अग्रवाल, सक्षम एरन ,समर्थ एरन

महंत, पीयूष अग्रवाल, एवं अर्चना अग्रवाल ,आदित्य अग्रवाल ,नैंसी अग्रवाल, ओम अग्रवाल ,अथर्व अग्रवाल, लक्ष्मीनारायण अग्रवाल , अनीता अग्रवाल ,पंकज अग्रवाल , रचना अग्रवाल ,मुन्ना लाल हलवाई , गीता देवी ,सैनी नमन जैन ,शीतल जैन ,दर्शनी जैन, संजीव तोमर , काजल तोमर, विपिन तोमर, सपना तोमर ,अतुल कौशिक, दीपिका कौशिक, सृष्टि कौशिक ,अंश कौशिक, नरेश सैनी कैटर्स ,लक्ष्मी देवी सैनी नितिन सैनी सर्राफ एवं मालती देवी सैनी, बबलू सैनी कारीगर ,ममता देवी सैनी ,आदि रहे जिन्होंने परिवारी जनों सहित पूजन कार्यक्रम में भाग लिया पूजन कार्यक्रम महाराज श्री के सहयोगी विद्वान ब्राह्मणों पंडित विजय कुमार शर्मा ,पंडित संजीव कृष्ण शास्त्री, पंडित अमित कुमार शर्मा, पंडित अंश शर्मा ,पंडित अमित शर्मा शास्त्री, आदि ने प्रभावी मंत्रोच्चारण के बीच संपन्न कराया पूजन के बाद कथा स्थल पर आयोजित सामूहिक हवन यज्ञ एवं भंडारे का आयोजन किया गया भंडारा आयोजन में। अवतार सैनी, विजेंद्र कुमार सैनी हलवाई, ममता सैनी समर्थ सैनी ,भूमिका सैनी, वंशिका सैनी उन्नति सैनी, दृष्टि सैनी, सुनील सैनी, , अखिलेश कुमार चौहान, पुष्पा देवी चौहान ,हरपाल सिंह , सुशीला देवी, पंडित महेंद्र कुमार शर्मा, रानी देवी शर्मा ,जगदीश लाल अरोड़ा ,रितिका अरोड़ा ,अनमोल अरोड़ा ,नैंसी अरोड़ा ,पुलकित अरोड़ा, डॉ ,अनुज कुमार वर्मा, रीना वर्मा, ध्रुव वर्मा ,गौरी वर्मा ,आदि सहित अनेक कृष्ण भक्त परिवार शामिल रहे इस मौके पर आयोजित विशाल भंडारे में धर्म नगरी धामपुर के विभिन्न भागों तथा आसपास के ग्रामों से बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

जनता की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करके न हो कोई भी आयोजन : सीएम योगी

● मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया सीएम कमांड सेंटर का उद्घाटन, सीएम डैशबोर्ड का भी किया शुभारंभ ● सीएम योगी ने कहा- जिन्हें शांति और सौहार्द नहीं पसंद, वह माहौल खराब करने का करते हैं प्रयास ● अधिकारी और कार्मिकों की जिस जिले में हो तैनाती, वहीं करें निवास

संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पर्व और त्यौहार के मौके पर जब देश के अलग-अलग राज्यों में दंगे हो रहे थे, तब उत्तर प्रदेश में शांति थी। जिन लोगों को शांति और सौहार्द अच्छा नहीं लगता है, वह छोटे-छोटे मुद्दों को ईशु बनाकर के माहौल खराब करने का प्रयास करते हैं। पुलिस के अधिकारी इस बात का विशेष ध्यान रखें कि प्रदेश में जो भी आयोजन हो वह कानून के दायरे में रहकर हो। जनता की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करके कोई भी आयोजन न होने पाए। उन्होंने कहा कि आम जनता की समस्या का समाधान हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। सीएम योगी ने रविवार को लाल बहादुर शास्त्री भवन (एनएक्सी) में मुख्यमंत्री कमांड सेंटर का उद्घाटन

और सीएम डैशबोर्ड का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कमांड सेंटर और डैशबोर्ड बनाने का उद्देश्य डाटा कैप्चर करने के साथ-साथ उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था में तेजी लाना है। साथ ही इसका मुख्य ध्येय आम जनमानस की समस्या का समयबद्ध तरीके से समाधान करना है। सीएम योगी ने कहा कि जिस अधिकारी या कार्मिक की जहां पर तैनाती हुई है, वह वहीं पर निवास करे। ऐसा न हो कि तैनाती किसी जनपद में हो और अधिकारी और कार्मिक किसी अन्य जनपद में निवास करते हों। अगर जनपद में सरकारी आवास उपलब्ध नहीं है तो अधिकारी और कार्मिक किराए के मकान में रहें और समय पर अपने दफ्तर पहुंचे। सीएम योगी कहा कि सभी कार्मिकों के कार्यों की समीक्षा होनी चाहिए। थानों की समीक्षा पुलिस अधीक्षक, जिला स्तर पर विभागों की समीक्षा जिला अधिकारी और मंडल स्तर पर मंडलायुक्त करें। उन्होंने कहा कि टेक्नोलॉजी का उपयोग करते हुए जनपद स्तर पर हमें एक ऐसा मैकेनिज्म बनाना होगा जिससे जल्द से जल्द लोगों की समस्या का समाधान हो सके। अगर हम एंबुलेंस को यहां से बैठ कर मॉनिटर कर सकते हैं तो जनपद की हर एक गतिविधि को भी मॉनिटर किया जा सकता है। अब टेक्नोलॉजी इतनी बेहतर हो चुकी है। सीएम योगी ने कहा कि समस्याओं के समाधान में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिले के अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि जनपद स्तर पर ही लोगों की समस्याओं का समाधान हो जाए। लोगों की कहीं भटकना न पड़े। सीएम योगी ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश के अंदर देश का ग्रोथ इंजन बनने के सामर्थ्य है। पुरुषार्थ को परिश्रम के साथ जोड़कर हम यूपी को अग्रणी राज्यों की श्रृंखला में खड़ा कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि फील्ड का एक-एक डाटा शुद्ध होना चाहिए। हमें एक स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को आगे बढ़ाना है। इसमें किसी भी प्रकार की हेराफेरी नहीं होनी चाहिए। फील्ड से अपलोड होने वाले डाटा का वेरिफिकेशन किया जाएगा। हम समय-समय पर उसको चेक करेंगे, देखेंगे कि ऐसा तो नहीं कि केवल कागजी खानापूर्ति हो रही है। इसलिए जो भी डाटा आए वह सुव्यवस्थित हो और समयबद्ध तरीके से पूरी हो। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, जल शक्ति तथा बाढ़ नियंत्रण मंत्री स्वतंत्र देव सिंह और नगर विकास मंत्री एके शर्मा मौजूद रहे।

संक्षिप्त डायरी

बिजनौर में घर में घुसकर युवक ने किया दुष्कर्म

संवाददाता

बिजनौर । घर में घुसकर युवती के साथ दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पीड़ित के पिता की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शनिवार को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और न्यायालय पेश किया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया। मामला अफजलगढ़. थाना क्षेत्र का है। पीड़िता के पिता की तहरीर के मुताबिक शुक्रवार को वह अपनी पत्नी के साथ खेत पर काम करने गया था। उसका छोटा पुत्र स्कूल पढ़ने गया था। 18 वर्षीय पुत्री घर पर अकेली थी। गांव का ही गैर समुदाय का युवक नईम पुत्र शरीफ पीड़ित की पुत्री को घर पर अकेला देखकर घर में घुस आया और जबरदस्ती दुष्कर्म किया। पुत्री के शोर मचाने पर ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और उन्होंने आरोपी नईम को पकड़ लिया। इस दौरान नईम भागने की फिराक में था। आरोपी युवक नईम को ग्रामीणों ने पकड़कर पुलिस को सौंप दिया। पिता की तहरीर पर पुलिस ने नईम के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर शनिवार को पुलिस ने आरोपी युवक नईम को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। जहां से कोर्ट ने उसे जेल भेज दिया। पुलिस ने युवती को मेडिकल चेक अप करवाकर मामले की जांच कर रही है। थानाध्यक्ष हम्बीर सिंह ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया।

दिल्ली में आयोजित प्रोग्राम में मिसेज एशिया विजयता सचदेवा और टी.वी एक्ट्रेस शेफाली बग्गा ने रैंप वॉक कर लगाए चार-चांद

संवाददाता

प्रयागराज। दिल्ली में आयोजित आर्य ऑडिटोरियम में आयोजित ऑर्गेनाइजर मोहित अरोड़ा द्वारा आयोजित प्रोग्राम का आयोजन किया गया जिसमें जिसमें जाने- मानी सेलिब्रिटी टीवी एक्टर्स शैफाली बग्गा एंड अर्शी खान सेलिब्रिटी गेस्ट के रुप में आमंत्रित किया गया तथा चीफ गेस्ट के रुप में सनी सिंह जी को तथा वीआई पी गेस्ट के रूप सिमरन अरोड़ा आमंत्रित रही दिल्ली में आयोजित ऑर्गेनाइजर मोहित अरोड़ा जी के द्वारा नोबेल एक्सेस बिजनेस लीडर प्रेजेंट शो में वाराणसी की जानी मानी हस्ती मिसेज एशिया विजयता सचदेवा जी को बा कायदा शो स्टॉपर के रूप में आमंत्रित किया गया जहां मिसेज एशिया 2022 विजयता सचदेवा और सेलिब्रिटी (जर्नलिस्ट) शैफाली बग्गा जी एक साथ रैंप वॉक कर के प्रोग्राम में दोनों ने चार चांद लगाए विजयता सचदेवा जी ने बताया कि इससे पहले भी शैफाली बग्गा जी ने 2021 मे उन्होंने बर्थडे विशेस भी भेजा था और तभी से उनसे मिलने की ख्वाहिश भी जागी थी उनसे मिलने की और उनके साथ वॉक करने का ये चांस जब मिला तो उन्होंने चांस को अपने हाथ से जाने नहीं देना चाहती थी इसलिए उन्होंने दिल्ली में जाकर शेफाली बग्गा जी के साथ शो स्टॉपर वॉक कर के अपने सपने को पूरा किया और साथ में अर्शी खान जी के हाथों उन्हे शो स्टॉपर एंड रनवे मॉडल के अवार्ड से सम्मानित भी किया गया। शो के दौरान मेकअप आर्टिस्ट पूजा ने मेकअप की मास्टरक्लास देकर सारे सभी ब्यूटीशियन को मेकअप के बारे में जानकारी दी वही 360 की टीम की प्रियंका शर्मा एंड सिया ने शो के दौरान सभी के साथ अपना संपूर्ण योगदान दिया।

प्रधानमंत्री मोदी के मन को भाया यूपी का पौधरोपण अभियान

संवाददाता

लखनऊ । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में बीते 22 जुलाई को प्रदेश में हुए रिकॉर्ड 30.21 करोड़ पौधरोपण अभियान की सराहना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने की है। उन्होंने रविवार को मन की बात कार्यक्रम में पौधरोपण अभियान की चर्चा करते हुए इसे जनभागीदारी और जनजागरण का बड़ा उदाहरण बताया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने सरकारी आवास पर प्रधानमंत्री मोदी के मन की बात कार्यक्रम को लाइव सुना। प्रधानमंत्री ने कहा कि यूपी में एक दिन में 30 करोड़ पेड़ लगाने का रिकॉर्ड बनाया गया है। इस अभियान की शुरूआत राज्य सरकार ने की और उसे वहां के लोगों ने पूरा किया। हम सभी को पेड़ लगाने और पानी बचाने के प्रयासों का हिस्सा बनना चाहिए। प्रधानमंत्री की ओर से पौधरोपण अभियान की प्रशंसा किये जाने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आभार प्रकट किया है। उन्होंने अपने ट्विटर पर लिखा कि प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा से यहां पौधरोपण 'जन-आंदोलन' का रूप ले चुका है। हम सभी हरित उत्तर प्रदेश के निर्माण हेतु भरपूर प्रयास कर रहे हैं। उसी क्रम में 77वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भी 5 करोड़ पौधरोपण के लिए संकल्पित हैं। बता दें कि योगी सरकार ने बीते 6 साल में यूपी में 136 करोड़ पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में बड़ी लकीर खींच दी है। सरकार अगले पांच साल में 175 करोड़ पौधे रोपने के मिशन में जुटी हुई है। इस वर्ष भी सरकार का लक्ष्य 35 करोड़ पौधे रोपने का है। इसमें से 30.21 करोड़ पौधे 22 जुलाई को रोपे गये हैं। वहीं 15 अगस्त को 5 करोड़ पौधे रोपे जाएंगे। खास बात ये है कि प्रदेश के सबसे शुष्क क्षेत्र बुंदेलखंड के सात जिलों में तकरीबन पांच करोड़ पौधे रोपे गये हैं। वहीं प्रधानमंत्री ने मन की बात कार्यक्रम में लोगों में बढ़े तीर्थाटन के भाव को भी सराहा। उन्होंने विशेष रूप से अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी का उल्लेख करते हुए कहा कि आज काशी में एक साल में 10 करोड़ लोग काशी विश्वनाथ के दर्शन के लिए आ रहे हैं। इसके अलावा मथुरा, अयोध्या में भी तीर्थयात्रियों की संख्या बढ़ी है। इससे लाखों गरीब लोगों के लिए रोजगार के नये अवसर उपलब्ध हुए हैं।

बाढ़ पीड़ितों को मुआवजे में देरी पर वित्त मंत्री आतिशी का मुख्य सचिव को पत्र, लगाया लापरवाही का आरोप

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार और नौकरशाही में चल रही खींचतान अब बाढ़ पीड़ितों को दिए जाने वाले मुआवजे को लेकर सामने आई है। वित्त मंत्री आतिशी ने मुख्य सचिव को पत्र लिखकर ये सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि बाढ़ पीड़ितों की मुआवजा राशि में लापरवाही नहीं बरती जाए। शनिवार और रविवार को सभी अधिकारियों को इस काम के लिए तैनात किया जाए, ताकि सोमवार को बाढ़ ग्रस्त लोगों के बैक में पैसा स्थानांतरित हो सके। आतिशी ने हैरानी जताई कि राहत राशि देने को लेकर बुलाई गई राजस्व विभाग की बैठक में महज 197 लोगों को ही स्वीकृत मुआवजा राशि मिली हैं। दिल्ली कैबिनेट ने बाढ़ प्रभावित प्रत्येक परिवार को 10,000 रुपये बतौर राहत देने का निर्णय लिया है। 10 दिन बीतने के बाद भी अधिकारियों का रवैया ढीला है। पत्र में कहा गया है कि इन अधिकारियों का सामान्य कार्य दिवस कैसा होगा जब वे आपातकाल और आपदा के समय में लापरवाही बरत रहे हैं। आतिशी ने मुख्य सचिव को सोमवार शाम 6 बजे तक स्टेटस रिपोर्ट सौंपने का निर्देश देते हुए कहा है कि बांटे गए पैसे पर उन्हें और मुख्यमंत्री को रिपोर्ट सौंपी जाए। दिल्ली सरकार के सूत्रों ने बताया कि मंत्री आतिशी को अधिकारियों ने मौखिक रूप से स्थिति से अवगत कराया। 4000 से अधिक परिवारों में से 2500 से अधिक परिवारों का सत्यापन हो चुका है। 1500 परिवारों का सत्यापन होना बाकी है। पूर्वी दिल्ली बाढ़ से सबसे अधिक प्रभावित हैं। लिहाजा, थोड़ा अधिक समय लग रहा।

राजधानी में बनेगी अमृत वाटिका, देशभर से लाई जाएगी मिट्टी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में अमृत वाटिका बनेगी जिसके लिए देश भर से 7500 कलश में मिट्टी लाई जाएगी। श्री मोदी ने आकाशवाणी पर अपने मासिक कार्यक्रम मन की बात की 103 वीं कड़ी में राष्ट्र को संबोधित करते हुए कहा कि आजादी के 75 साल पूरे होने के अवसर पर सभी पूरे उत्साह से 'अमृत महोत्सव' मना रहे हैं। 'अमृत महोत्सव' के दौरान देश में करीब-करीब दो लाख कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। ये कार्यक्रम एक से बढ़कर एक रंगों से सजे थे, विविधता से भरे थे। इन आयोजनों में रिकॉर्ड संख्या में युवाओं ने हिस्सा लिया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि देश में, चारों तरफ 'अमृत महोत्सव' की गूँज है। 15 अगस्त को देश में एक और बड़े अभियान की शुरुआत होने जा रही है। शहीद वीर-वीरांगनाओं को सम्मान देने के लिए 'मेरी माटी मेरा देश' अभियान शुरू होगा। इसके तहत देश-भर में हमारे अमर बलिदानियों की स्मृति में अनेक कार्यक्रम आयोजित होंगे। इन विभूतियों की स्मृति में, देश की लाखों ग्राम पंचायतों में, विशेष शिलालेख भी स्थापित किए जाएंगे। इस अभियान के तहत देश-भर में 'अमृत कलश यात्रा' भी निकाली जाएगी।

धर्मांतरण मामले में पकड़े गए पादरी और उसकी पत्नी के 5 खाते में अमेरिका से आए थे 30 लाख

गाजियाबाद। गरीब लोगों को आर्थिक मदद का झांसा देकर धर्म परिवर्तन कराने वाले पादरी को 26 जुलाई को गाजियाबाद पुलिस ने गिरफ्तार किया। जब पुलिस ने जांच शुरू की तो पता चला कि पादरी और उसकी पत्नी के पांच अलग-अलग बैंक अकाउंट में अमेरिका से करीब 30 लाख की रकम भेजी गई थी। इसका मतलब है कि पहले गरीब लोगों को आर्थिक मदद का लालच दिया जा रहा था और उनका धर्मांतरण कराया जा रहा था। यह भी जानकारी मिली कि हर महीने खाते में 50 हजार से एक लाख रुपये तक आ रहे थे। पुलिस मान रही है कि यह रकम धर्मांतरण के लिए भेजा जा रहा था। इसीलिए पुलिस अब इन पर मनी लॉन्ड्रिंग का केस भी लगाने की तैयारी कर रही है। दरअसल, गाजियाबाद के मोदीनगर थाना क्षेत्र में शाहजहांपुर गांव है। यहां के आशीष ने गांव के रोहित और उसकी मां कुसुम पर धर्मांतरण कराने का केस 23 जुलाई को मोदीनगर थाना में दर्ज कराया था।

एलजी ने महरौली पुरातत्व पार्क और संजय वन का किया दौरा

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल (एलजी) वीके सक्सेना ने महरौली पुरातत्व पार्क और संजय वन का दौरा किया। यहां उन्होंने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के सहयोग से दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) द्वारा इन स्थलों पर किए जा रहे जीर्णोद्धार कार्यों का जायजा लिया। पिछले साल भी उन्होंने कार्यभार संभालने के बाद यहां का निरीक्षण किया था। वे चौथी बार महरौली पुरातत्व पार्क में आए। इस दौरान उन्होंने सुल्तान गयासुद्दीन बलबन का मकबरा, मेटाकॉफ लॉज, जमाली-कमाली मस्जिद और राजाओं की बावली पर हो रहे कार्यों का जायजा लिया। यहां राजाओं की बावली और मेहराबों में गाद और कचरा भरा था। इसे रिकॉर्ड समय में दुरुस्त किया गया। इसकी जानकारी

उन्होंने अपने ट्विटर हैंडल पर शेयर की। जानकारी के मुताबिक, मैटकॉफ लॉज दिल खुशा में भी जल्द काम पूरा हो जाएगा। अगस्त के अंत तक यहां पर्यावरण के अनुकूल रेस्तरां शुरू कर दिया जाएगा और ये ऐतिहासिक स्थल शानदार और प्रमुख आकर्षण का केंद्र बन जाएगा।

इसके अलावा एलजी ने राजा पृथ्वीराज चौहान के किले राय पिथौरा का भी दौरा किया। उन्होंने यहां अधिकारियों द्वारा किले की हालत को लेकर निराशा जताई। किले की जर्जर स्थिति देखकर एलजी ने डीडीए और एएसआई को ऐतिहासिक स्मारक के जीर्णोद्धार के लिए तुरंत काम करने का निर्देश दिया। आने वाले सप्ताह में यहां सफाई कार्य शुरू हो जाएगा। साथ ही जीर्णोद्धार का डिजाइन भी एलजी के सामने रखा जाएगा। इस दौरान उन्होंने डीडीए और एसआई से बेहतर समांजस्य के साथ काम करने को कहा। संजय वन की यात्रा के दौरान एलजी ने 11वीं शताब्दी की अनंग ताल बावली की बहाली पर हो रहे कार्य का भी निरीक्षण किया।

नोएडा में रोडरेज मामले में बदमाशों ने 2 किलोमीटर तक किया पीछा, घर में घुसकर 2 लोगों को किया घायल, 1 गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा में रोडरेज का एक मामला सामने आया है, जिसमें आरोपियों ने 2 किलोमीटर पीछा किया और फिर घर में घुस कर दो लोगों को बुरी तरीके से घायल कर दिया। इस मामले में एक आरोपी गिरफ्तार किया गया है और बाकियों की तलाश की जा रही है। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, ग्रेटर नोएडा में रोडरेज का एक मामला सामने आया है, जिसमें सड़क पर गाड़ी का छोड़ने के बाद बदमाशों ने 2 किलोमीटर तक लोगों का पीछा किया और फिर घर में घुसकर जितेंद्र और सतवीर नाम के दो व्यक्तियों को घायल किया। यह मामला कासना थाना क्षेत्र इलाके का है। यह घटना है, पुलिस ने इस मामले में एफआईआर दर्ज कर ली है। पुलिस ने बताया कि इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और अन्य आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए टीम गठित की गई है। साथ ही, इस घटना में इस्तेमाल किए गए वाहन को सीज कर लिया गया है।

राजधानी के मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में गमगीन माहौल में मनाया गया यौम-ए-आशूरा

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में मुहर्रम की 10वीं तारीख (यौम-ए-आशूरा) को गमगीन माहौल में मनाया गया। इस दौरान विभिन्न क्षेत्रों में ताजियों का जुलूस निकालकर मातम भी किया गया।

ऐतिहासिक जामा मस्जिद और उसके आसपास के इलाकों से निकला अज़ादारी का जुलूस काला महल, चितली कबर, मटिया महल होते हुए जामा मस्जिद, चावड़ी बाजार, अजमेरी गेट, पहाड़गंज, नई दिल्ली रेलवे स्टेशन, कनॉट प्लेस, जनपथ, जामा मस्जिद, तुगलक रोड, सफदरजंग मदरसा होते हुए कर्बला ज़ोरबाग पर जाकर संपन्न हुआ। जुलूस में पुरानी दिल्ली के विभिन्न मोहल्लों के ताज़िए शामिल हुए। इस अवसर पर दरगाह पंजा शरीफ कश्मीरी गेट में मजलिस-ए-अज़ा का आयोजन किया गया। इसमें मरसिया ख्वानी और मातम किया गया। यहां पर बड़ी तादाद में शिया मुसलमानों ने भाग लेकर शोक व्यक्त किया।

इसके अलावा यमुनापार के विभिन्न क्षेत्रों सीलमपुर, मुस्तफाबाद, जाफराबाद, वेलकम, सीमापुरी, नंदनगरी, शाहदरा, झील, खुरेजी, गीता कॉलोनी, लक्ष्मी नगर, शकरपुर, त्रिलोकपुरी, कल्याणपुरी, मयूर विहार आदि क्षेत्रों में ताजियों

के साथ मातमी जुलूस निकाले गए। दिल्ली का सबसे प्राचीन माना जाने वाला लकड़ी का ताजिया दरगाह हजरत निजामुद्दीन से हर साल की

तरह इस बार भी रंग-रोगन करके जुलूस की शक्ल में निकाला गया। यह ताजिया बादशाह तैमूर लंग के जमाने का बताया जाता है। इस ताज़िए को कर्बला जोरबाग पर जाकर दफन किया गया। दक्षिण दिल्ली के मदनगीर, दक्षिणपुरी, खानपुर, संगम विहार, हमदर्द नगर, तिगड़ी, बत्रा आदि क्षेत्रों से भी ताजियों और मातमी जुलूस निकाला गया और ताजियों को दक्षिणपुरी के कब्रिस्तान में दफन किया गया। ओखला के मदनपुर खादर, बटला हाउस, जामिया नगर, अबूल फजल एनक्लेव आदि में भी ताजियों का जुलूस निकाला गया। हौज रानी, मालवीय नगर, महरौली में भी ताजियों का जुलूस निकाला गया।

मुहर्रम (यौम-ए-आशूरा) का दिन इस्लामी इतिहास में गमों से भरा है। इस दिन पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के नवासे हजरत इमाम हुसैन को कर्बला के मैदान में उस समय के शासक यजीद की सेना ने उनके 72 साथियों के साथ शहीद कर दिया था। मुसलमान इसी की याद को ताजा करने के लिए हर साल मुहर्रम मनाते हैं। मुहर्रम की दसवीं तारीख को यौम-ए-आशूरा कहा जाता है। इस दिन मातम व मरसिया ख्वानी करके हजरत इमाम हुसैन-हसन और उनके साथियों की कुर्बानी को याद किया जाता है।

डीसीडब्ल्यू ने मणिपुर हिंसा में घायल भाजपा विधायक के लिए मांगी मदद

नई दिल्ली। दिल्ली महिला आयोग (डीसीडब्ल्यू) की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा को पत्र लिखकर मणिपुर के भाजपा विधायक वुंगजागिन वाल्टे के लिए मदद मांगी है। हिंसा प्रभावित मणिपुर में प्रदर्शनकारियों ने वाल्टे पर प्राण घातक हमला किया था।

वाल्टे अपने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों के लिए राहत की उम्मीद में राज्य के मुख्यमंत्री के घर गए थे। वहां से लौटते समय भीड़ ने उनकी कार को घेर लिया और उन्हें काफी टार्चर किया। उन्हें बिजली का करंट तक लगाया गया। घायल वाल्टे को उपचार के लिए दिल्ली लाया गया। वह कई हफ्तों तक यहां वेंटिलेटर पर रहे और अब ठीक हो रहे हैं। हाल ही में उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिल गई है और वह राजधानी में किराए के मकान में रह रहे हैं। हालांकि इस दौरान हुई मारपीट में उनके ड्राइवर की मौत हो गई। हिंसा के इस कृत्य ने विधायक के जीवन पर गहरा प्रभाव डाला है, जिससे वह बिस्तर पर ही रहते हैं और एक तरफ से लकवाग्रस्त हो गए हैं। उनके इलाज के दौरान उनके परिवार का खर्च एक करोड़ से भी अधिक हो गया है और उनके ठीक होने की अवधि लंबी होने के कारण यह खर्च अभी भी बढ़ रहा है। 28 जुलाई को डीसीडब्ल्यू की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल आयोग की सदस्य किरण नेगी और वंदना सिंह के साथ दिल्ली में वुंगजागिन वाल्टे से मिलीं। मुलाकात के बाद मालीवाल ने कहा कि विधायक और उनके परिवार का काफी बुरा हाल है। उन्होंने आरोप लगाया कि विधायक की हालत गंभीर होने के बावजूद, भाजपा

के किसी भी वरिष्ठ नेता ने आज तक उनसे मुलाकात नहीं की है और परिवार को उनकी जरूरत के सबसे बुरे समय में कोई वित्तीय सहायता प्रदान नहीं की गई है। स्वाति ने भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा को पत्र लिखकर परिवार के लिए मदद मांगी है। उन्होंने भाजपा अध्यक्ष से जल्द से जल्द विधायक वुंगजागिन वाल्टे से मिलने का अनुरोध किया है। इसके अलावा, उन्होंने उनसे विधायक को उनके चल रहे चिकित्सा उपचार के लिए पार्टी के फंड से वित्तीय सहायता देने का अनुरोध किया है।

NDMC कर्मियों को नियमित करने पर आरआर में संशोधन को मंजूरी, 950 कर्मचारियों को होगा लाभ

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर पहले नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) लगातार अनियमित कर्मचारियों को नियमित कर रहा है। हाल ही में 4500 के करीब रेगुलर मस्ट रोल (आरएमआर) कर्मियों को नियमित करने के बाद अब 950 अनुबंधित कर्मचारियों को नियमित करने का रास्ता खोल दिया है। डाटा एंट्री आपरेटर से से लेकर, जूनियर इंजीनियर (सिविल), सांख्यिकीय सहायक, वरिष्ठ सांख्यिकीय अन्वेषक ग्रेड-1 और सांख्यिकीय जैसे पदों के आरआर (नियुक्ति नियम) को अधिसूचित करने या उन्हें नए सिरे से तैयार करने को लेकर एनडीएमसी काउंसिल ने मंजूरी दे दी है। इसमें करीब 950 कर्मचारियों को लाभ होगा। सर्वाधिक लाभ एनडीएमसी में कार्यरत डाटा एंट्री आपरेटरों को होगा। 239 अनुबंधित डाटा एंट्री आपरेटर की नौकरी पर लटकी तलवार को खत्म करने और उनको नियमित करने के लिए इन्हें जूनियर सहायक पद पर स्थायी करने का निर्णय लिया गया है। एनडीएमसी

के उपाध्यक्ष सतीश उपाध्याय ने बताया कि पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति तक शासन-प्रशासन पहुंच सके, इसी दिशा में हमने कुछ माह में गृहमंत्री अमित शाह के सहयोग से 4500 आरएमआर कर्मचारियों को नियमित किया था। इस मामले में एक ही दिन में सभी कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र दिए गए। कर्मचारियों को नियमित करने की दिशा में एक रुपये की भी भ्रष्टाचार की शिकायत नहीं आई। उन्होंने कहा कि हम अन्य अनुबंधित कर्मचारियों के हित में भी सोच रहे हैं, क्योंकि ये कर्मचारी 20-22 वर्षों से एनडीएमसी में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उपाध्याय ने कहा कि अगर इनकी जगह स्थायी कर्मचारी आ भी जाते हैं तो इनको दूसरे किसी और विभाग या अन्य कंपनी में आसानी से नौकरी नहीं मिलेगी। ऐसे में इन कर्मचारियों के जीवन पर तलवार लटकी हुई थी। उन्होंने बताया कि डाटा एंट्री आपरेटर के लिए 47 पद स्वीकृत हैं। इसमें 36 पर स्थायी कर्मचारी कार्य कर रहे हैं। इसमें 11 पद ही शेष हैं। ऐसे में 239 डाटा एंट्री आपरेटर को 11 रिक्त पदों पर सभी को नियमित नहीं किया जा सकता था। इसलिए इन कर्मचारियों को हमने जूनियर सहायक पद पर नियमित करने का निर्णय लिया है। उन्होंने बताया कि जूनियर सहायक के 553 पद स्वीकृत हैं। इसमें 45 पद भरे हुए हैं। शेष पदों पर 239 डाटा एंट्री आपरेटर को स्थायी तौर पर नियुक्त किया जाएगा। जो पद बचेंगे उन पर दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड (डीएसएसबी)को भेजा जाएगा।

श्वष्ट कोटे की 1,348 सीटों के लिए छात्र देंगे ट्रायल, नौ हजार से ज्यादा छात्रों ने किया आवेदन

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) में पाठ्येत्तर गतिविधियों (ईसीए) के कोटे से प्रवेश के लिए परीक्षण (ट्रायल) 31 जुलाई से ही होंगे।

ईसीए कोटे से 1348 सीटों पर दाखिला लिया जा रहा है। इसके लिए 9858 छात्रों ने आवेदन किए हैं। पिछले साल के मुकाबले ईसीए कोटे से प्रवेश लेने के लिए इस बार 44 प्रतिशत अधिक छात्रों ने आवेदन किए हैं। विश्वविद्यालय ने छात्रों को ईसीए के लिए जारी जरूरी निर्देश पढ़ने के बाद ही परीक्षण में शामिल होने की अपील की है।

एनसीसी और एनएसएस के लिए परीक्षण नहीं होंगे। डीयू की ओर से जारी निर्देशों के मुताबिक https://admission.uod.ac.in/UG-Admissions/ECA-Sports वेबसाइट देखने की सलाह दी गई है। इसके अलावा परीक्षण की तारीखों में टकराव होता है, तो इसके लिए भी छात्रों को निर्देशित किया गया है।

कहा गया है कि उन श्रेणियों के लिए जहां परीक्षण के लिए केवल एक ही तारीख का उल्लेख किया गया है। तारीखों में बदलाव के किसी भी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा। अन्य श्रेणियों के लिए छात्र तारीख में बदलाव के लिए (केवल दी गई ईसीए श्रेणी/उप-श्रेणी के परीक्षणों के लिए उपलब्ध तारीखों में से कुछ

अन्य उपयुक्त तारीखों के सुझाव के साथ) अनुरोध कर सकता है। ऐसे सभी मुद्दों के लिए छात्रों को विवरण के साथ eca@admission.du.ac.in पर ईमेल लिखना होगा। वहीं, तारीखों के टकराव के अलावा इनमें बदलाव के लिए किसी अन्य कारण या अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा। छात्र के कार्यक्रम स्थल तक पहुंचने में असमर्थता, निर्देशों की जानकारी न होना आदि कारण नई तारीखें देने के लिए मान्य नहीं होंगे। मूल्यांकन समिति के पास किसी भी समय प्रस्तुति को समाप्त करने का विवेक या स्थिति के अनुसार कुछ अतिरिक्त समय भी देने का अधिकार होगा। अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि वे उपस्थिति, प्रमाणपत्र मूल्यांकन के आधार पर दिए गए अंकों पर प्रति हस्ताक्षर आदि के लिए निर्धारित परीक्षण समय स्लाट से आधे घंटे पहले रिपोर्ट करें। ईसीए में प्रवेश की प्रमुख प्रो. दीप्ति तनेजा ने कहा, परीक्षण के लिए तारीख जारी हो चुकी हैं। इस बार पहले से काफी अधिक आवेदन आए हैं। डीयू की तैयारी पूरी है।

दिल्ली विश्वविद्यालय ने जारी की अस्थायी रैंक, छात्र बदल सकते हैं वरीयता

डीयू ने स्नातक में प्रवेश की सिमुलेटेड (अस्थायी) रैंक जारी कर दी है। छात्रों को यह रैंक उनके डैशबोर्ड पर दिखाई देगी। इसके आधार पर वे अपनी वरीयताएं बदल सकते हैं। कामन सीट एलोकेशन सिस्टम (सीएसएएस) पोर्टल पर छात्र 30 जुलाई की रात 12 बजे तक अपनी वरीयता बदल सकते हैं। डीयू की डीन आफ एडमिशन प्रो. हनीत गांधी ने बताया कि छात्र अपने डैशबोर्ड पर लागइन करके उन सभी कार्यक्रमों के लिए अपनी सामान्य रैंक और श्रेणी रैंक देख सकते हैं, जिनके लिए उन्होंने आवेदन किया है।

मादीपुर मेट्रो स्टेशन के पास ट्रक ने कार को मारी टक्कर, दिल्ली पुलिस के एसआई की मौत

नई दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली के पंजाबी बाग में रोहतक रोड पर एक ट्रक की चपेट में आने से सुरक्षा विंग में तैनात दिल्ली पुलिस के एक इंस्पेक्टर की मौत हो गई। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि रविवार तड़के, रोहतक रोड (मादीपुर मेट्रो स्टेशन के पास) पर

एक दुर्घटना हुई, इसमें एक कार को पीछे से ट्रक ने टक्कर मार दी।

अधिकारी ने कहा, 'कार कुछ यांत्रिक समस्या के कारण रुकी थी, तभी उसे पीछे से ट्रक ने टक्कर मार दी। बाहर खड़े कार ड्राइवर को भी टक्कर लगी। उसे गंभीर चोटें आईं और उसकी मौत हो गई।' मृतक की पहचान दिल्ली पुलिस के इंस्पेक्टर जगबीर सिंह के रूप में हुई, जो वर्तमान में सुरक्षा इकाई में तैनात थे। अधिकारी ने कहा, 'ट्रक चालक ट्रक छोड़कर मौके से भाग गया। कानूनी कार्रवाई की जा रही है और चालक का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।'

आजादपुर फल-सब्जी मंडी में बदल रहा व्यापार का ट्रेंड, बढ़ रहा है आयातित फलों का कारोबार

नई दिल्ली। हालिया वर्षों में आजादपुर फल-सब्जी मंडी के व्यापार के ट्रेंड में बदलाव आ रहा है। घरेलू फल बाजार में विदेशी फल अपनी जगह लगातार मजबूत कर रहे हैं। पिछले दो-तीन साल के भीतर विदेश से फलों का आयात बढ़ा है, बल्कि आयातित फलों के कारोबारियों की संख्या भी बढ़ती जा रही है। विदेशों से सबसे ज्यादा सेब, किवी, अंगूर,

संतरा मंगाया जा रहा है। जब भी देसी फलों के उत्पादन में कमी होती है, तब विदेशी फलों का आयात भी बढ़ जाता है।

दिल्ली-एनसीआर समेत आसपास के प्रदेशों के लोगों का विदेशी फलों के प्रति बढ़ता रूझान कहें या फिर अपने यहां फल उत्पादन में कमी। कारण जो भी है, फिलहाल आजादपुर मंडी में विदेशी फल की आवक बढ़ती जा रही है। तीन साल पहले विदेशी फलों के थोक व्यापारियों की संख्या 20 से 25 थी, आज यह संख्या 50 का आंकड़ा छूने को है। आयातित फलों की सूची में सबसे ऊपर सेब है। सेब के बाद किवी, अंगूर, संतरा, बबूगोसा आदि फलों की घरेलू बाजार में खूब मांग है। आजादपुर मंडी के आयातित फलों के बड़े थोक व्यापारियों में से एक, अमित गिड़वानी का मानना है कि इसमें कोई शक नहीं है कि आजादपुर मंडी में विदेश फलों की मांग बढ़ी है। इटली,पोलेंड, ट्रर्की, चिली, मिस्र, ग्रीस, दक्षिण अफ्रीका आदि देशों से फलों का आयात बढ़ा है।

साथ ही वे यह भी कहते हैं कि जिस अनुपात में आयातित फल व्यापारी बढ़े हैं, उस अनुपात में आयात नहीं बढ़ा। लेकिन, पिछले तीन साल से 10 से लेकर 15 प्रतिशत की रफ्तार से हर साल आयात बढ़ रहा है। आयातित फलों के कंटेनर बंदरगाह पर आते हैं।

दिल्ली एग्रीकल्चर मार्केटिंग बोर्ड के सदस्य महेंद्र सन्पाल ने बताया कि मार्केटिंग बोर्ड आयातित फलों की मात्रा का कोई अलग से डाटा नहीं रखता है। फिर भी यह कहा जा सकता है कि आजादपुर मंडी में विदेशी फलों की आवक सीजन दर सीजन बढ़ती जा रही है।

अनुमानित 15 प्रतिशत आयात हर साल बढ़ रहा है। मंडी के फल व्यापारियों का मानना है कि आयात बढ़ने के बावजूद देसी फलों की घरेलू बाजार में मांग में कोई कमी नहीं है। किसी फल की पैदावार कम हो तो फिर विदेशी फल मंगवाना मजबूरी हो जाता है।

मौसम खराब होने की वजह से इस बार हिमाचल प्रदेश व जम्मू-कश्मीर में सेब की फसल कोई ज्यादा अच्छी स्थिति में नहीं है, इसलिए मांग पूर्ति के लिए विदेशी सेब मंगवाना थोक व्यापारियों की मजबूरी हो जाएगा।

इन देशों से सेब होता है आयात

आजादपुर मंडी में इटली, टर्की, पोलेंड, चिली, ब्राजील आदि देशों से सेब, न्यूजीलैंड, ग्रीस व चिली से किवी, मिस्र व दक्षिण अफ्रीका से बबूगोसा और नाशपती, चीन, मिस्र, आस्ट्रेलिया से अंगूर, वियतनाम से ड्रैगन फ्रूट, ईरान व दक्षिण अफ्रीका से आलू बुखारा, मिस्र से संतरा का आयात होता है। जेएसटी फर्म के संचालक जयदेव सन्पाल ने बताया कि इटली के सेब की घरेलू बाजार में मांग ज्यादा है।

खाने-पीने को मोहताज हुए सीमा-सचिन

ग्रेटर नोएडा। पाकिस्तान से अपने प्रेमी सचिन के पास ग्रेटर नोएडा आई सीमा इन दिनों में सचिन के परिवार के साथ घर में कैद है। सचिन के परिवार के आगे रोजी-रोजी का संकट आ गया है, क्योंकि घर के बाहर पुलिस का पहरा है। सचिन और सचिन के पिता नेत्रपाल को घर से बाहर जाने की अनुमति नहीं है। सीमा और सचिन से मिलने उनके घर गए किसान नेता को सचिन के पिता नेत्रपाल ने बताया," सचिन और मैं रोज कमाने और खाने वाले आदमी हैं। मेहनत मजदूरी कर जो कमाते थे, उसके सहारे खाने-पीने का इंतजाम होता था। अब घर से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं तो पैसे कहां से लाएंगे। इसलिए घर में राशन समेत खाने पीने का कोई भी सामान नहीं बचा है।" दरअसल, पबजी गेम पर बातचीत के दौरान रबूपुरा के रहने वाले सचिन के करीब आई सीमा हैदर अपने 4 बच्चों को लेकर पाकिस्तान से नेपाल के रास्ते 12 मई को ग्रेटर नोएडा आ गई थी। सीमा के ग्रेटर नोएडा में इल्लीगल तरीके से रहने की सूचना पर खुफियां एजेंसियां सक्रिय हुईं तो दोनों की मुसीबतें बढ़ गईं। सीमा के जासूस होने के शक में यूपी अळर समेत लोकल पुलिस सीमा और सचिन के अलावा सचिन के पिता नेत्रपाल से कई बार पूछताछ कर चुकी है। फिलहाल कोर्ट के आदेश के बाद सीमा और सचिन साथ में रह तो रहे हैं लेकिन दोनों को घर से बाहर निकलने की परमिशन नहीं है। शनिवार को सचिन के परिवार की आर्थिक परेशानी की जानकारी होने पर किसान एकता संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष मास्टर श्योराज सिंह ने उनके घर पहुंचे। एक कमरे में सचिन, सीमा और सचिन के पिता से किसान नेता ने मुलाकात की। किसान नेता को नेत्रपाल ने बताया ," पुलिस और न जाने कितनी टीमें उन्हें कई बार पूछताछ के लिए ले

जा चुकी हैं। हम लोगों को घर में कैद कर दिया गया है। घर के बाहर पुलिस है जो हमें कहीं जाने नहीं देती। ऐसे में करीब 1 महीने से हम लोगों का काम धंधा ठप पड़ा है। नेत्रपाल ने बताया ," मैं और सचिन मेहनत मजदूरी कर अपना खर्चा चलाते थे। उसीके सहारे खाने पीने का इंतजाम होता था। सचिन घर के पास एक किराने की दुकान में काम करके अपना और सीमा का पेट पाल रहा था। मैं मंडी में मजदूरी करके अपना खर्च चलाता था। लेकिन अब एक महीने से हम लोगों को घर में कैद कर दिया गया है। हम लोग काम पर नहीं जा पा रहे हैं। इसलिए घर में न तो खाने का राशन बचा है और न कोई दूसरा सामान। " सचिन के पिता नेत्रपाल ने बताया कि परिवार में करीब आठ सदस्य हैं। जिनका पालन पोषण करने के लिए पिता-पुत्र मजदूरी करते थे। लेकिन अब उनके घर से बाहर जाने पर रोक लगा दी गई है। वह घर में दिन भर बैठे रहते हैं। उनके गेट पर पुलिस बैठी रहती है। जिसकी वजह से उनको बहुत परेशानी हो रही है। हमने पुलिस अधिकारियों से भी काम पर जाने की गुहार लगाई है। लेकिन अभी तक उनको कोई परमिशन नहीं मिली है। किसान नेता मास्टर श्योराज सिंह ने बताया कि सचिन का परिवार मजदूरी करके परिवार का पालन पोषण करता है। लेकिन इस प्रकरण के बाद से उनके घर के बाहर जाने पर रोक लगा दी है। जिसकी वजह से परिवार आर्थिक परेशानी से गुजर रहा है। सचिन और उनके पिता काम पर नहीं जाएंगे तो कैसे उनके परिवार का पेट भरेगा। इसके लिए हम रबूपुरा पुलिस से मिलकर उच्च अफसरों से सचिन के परिवार को काम पर जाने की इजाजत दिलवाने की मांग करेंगे। बता दें कि पाकिस्तान की सीमा 4 बच्चों को लेकर 3 महीने पहले रबूपुरा आ गई थी। जिसकी भनक पुलिस और एजेंसियों को लग गई तो 2 जुलाई को उसको गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया था। कई दिन बाद उसको जमानत मिल गई थी। जिसके बाद से वह रबूपुरा में ही सचिन के घर पर रह रही है।

इस दौरान कोर्ट और पुलिस अधिकारियों ने सीमा और उसके प्रेमी सचिन, सचिन के पिता नेत्रपाल को घर से बाहर नहीं जाने को कहा था। जिसकी वजह से सचिन और उसके पिता मजदूरी पर भी नहीं जा पा रहे हैं। उनके घर में आर्थिक परेशानी हो रही है। खाने पीने तक की समस्या उनके सामने आ गई है।

खाते में सेंध लगाकर 8 हजार रुपये निकाले

नोएडा । साइबर ठग ने एक व्यक्ति के बैंक खाते में सेंध लगाकर 8 हजार रुपए निकाल लिए। पीड़ित ने थाना सेक्टर-39 में अज्ञात ठग के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। सेक्टर-44 छलेरा निवासी कुलदीप कुमार शुक्ला ने बताया कि उसका सेक्टर-1 स्थित एसबीआई बैंक में सेविंग अकाउंट है। उसके खाते से 22 जुलाई को किसी अज्ञात ठग ने 8 हजार रूपए निकाल लिए। बैंक से मैसेज आने पर उसे इस पूरे फजीवाड़े का पता चला। इसकी शिकायत उसने बैंक और साइबर सेल से की। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस इस मामले में साइबर सेल की भी मदद ले रही है।

ट्रैक्टर-ट्राली भिड़ी, वृद्ध की मौत

दादरी । दादरी में जीटी रोड पर कोट गांव के पास शनिवार की तड़के सड़क किनारे खराब खड़े डंपर से ट्रैक्टर ट्रॉली की भिड़ंत हो गई। इस हादसे में ट्रैक्टर ट्रॉली सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनमें से एक व्यक्ति की मौत हो गई। दूसरे घायल को उपचार के लिए हायर सेंटर भेजा गया है, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। थाना अहमदगढ़, बुलंदशहर निवासी ओमप्रकाश पुत्र रामचरण शर्मा व दरोग पुत्र कुमार पाल शनिवार की सुबह ट्रैक्टर ट्रॉली लेकर सिकंदराबाद से दादरी की तरफ आ रहे थे। कोट गांव के पास एक खराब डंपर सड़क किनारे खड़ा हुआ था। तेज गति में ट्रैक्टर ट्रॉली को लेकर आ रहे युवक अंधेरे में सड़क किनारे डंपर को नहीं देख पाए और ट्रैक्टर की उससे भिड़ंत हो गई। इस हादसे में ट्रैक्टर ट्रॉली सवार दरोग सिंह और ओमप्रकाश गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची थाना दादरी पुलिस ने घायलों को दादरी स्थित सीएचसी पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने ओम प्रकाश पुत्र रामचरण को मृत घोषित कर दिया। घायल दरोग की हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने उसे हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया है। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

बस कार की भिड़ंत में दो घायल

नोएडा। थाना ईकोटेक तीन क्षेत्र के यामाहा कट पर तेज गति में आ रही बस की वैगनआर कार से भिड़ंत हो गई। इस हादसे में तीन अन्य वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गए तथा दो लोग घायल हो गए। हादसे के बाद घटनास्थल पर यातायात जाम हो गया। एडीसीपी सेंट्रल डॉ. राजीव दीक्षित ने बताया कि बीती रात पुलिस को सूचना मिली कि यामहा कट पर बस व एक वैगनआर कार की भिड़ंत हो गई है। इस दुर्घटना में तीन अन्य वाहन भी बस चालक द्वारा अचानक ब्रेक लगाए जाने से उसे टकरा गए थे। हादसे की जानकारी मिलने पर तुरंत मौके पर पहुंची पुलिस ने हादसे में घायल लोगों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। हादसे की सूचना पाकर एसीपी वन सेंट्रल, एसीपी ट्रैफिक, एसीपी 3 सेंट्रल, थाना प्रभारी ईकोटेक 3, थाना प्रभारी सूरजपुर भी मौके पर पहुंचे।

नाबालिग बच्ची के साथ अश्लील हरकत

नोएडा । नोएडा क्षेत्र के सफार्बाद गांव में छत पर सो रही एक 9 वर्षीय बच्ची के साथ पड़ोसी युवक ने अश्लील हरकत का बलात्कार करने का प्रयास किया। बच्ची के शोर मचाने पर आरोपी मौके से फरार हो गया। सफार्बाद गांव में किराये पर रहने वाले राजेश काल्पनिक नाम ने दर्ज रिपोर्ट बताया कि वह गत 22 जुलाई को अपने कुछ साथियों के साथ दर्शन के लिए खाटू श्याम गया था। रात्रि में उसकी पत्नी तीन बच्चों के साथ छत पर सो रही थी। करीब 3:00 बजे के आसपास उसकी पत्नी किसी कार्य से नीचे कमरे में आ गई। इस दौरान पड़ोस में रहने वाला जफर छत पर पहुंचा और उसकी 9 वर्षीय बेटी के साथ गंदी हरकतें की। उसकी बेटी ने जब शोर मचाने का प्रयास किया तो आरोपी ने उसका मुंह दबा दिया। किसी तरह उसकी बेटी जफर के चंगुल से निकलकर नीचे पहुंचे और अपनी मां को सारी बातें बताई बच्ची के शोर मचाने पर आरोपी जफर मौके से फरार हो गया। पीड़ित ने बताया कि जब वह खाटूश्याम से वापस लौटा तो उसकी पत्नी को बच्ची ने जफर द्वारा की गई हरकत के बारे में जानकारी दी। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है उसकी गिरफ्तारी का प्रयास किया जा रहा है।

पत्नी से सेक्स करने बेंगलुरु से नोएडा पहुंचा पति तो महिला पहुंच गई थाने

नोएडा । उत्तर प्रदेश के नोएडा से मियां बीवी के बीच चल रही तकरार का एक दिलचस्प मामला सामने आया है। बेंगलुरु से अपनी पत्नी के साथ रात गुजारने नोएडा आए युवक को जबरन शारीरिक संबंध बनाना पड़ गया और बीवी पुलिस थाने पहुंच गई। युवती ने अपने पति समेत ससुराल पक्ष के कई लोगों के खिलाफ केस दर्ज कराया है। नोएडा के सेक्टर-76 क्षेत्र में रहने वाली शोभा (काल्पनिक नाम) ने थाना सेक्टर-76 में दर्ज कराई रिपोर्ट बताया कि उसकी शादी 7 दिसंबर 2022 को बिहार के आरा जिला में गौरव कुमार के साथ हुई थी। शादी के समय परिजनों ने हैसियत अनुसार दान दहेज दिया था, लेकिन ससुराल वाले उससे संतुष्ट नहीं थे। शादी के दूसरे दिन ही दहेज को लेकर ससुराल वालों ने उसके साथ दुर्व्यवहार किया। शोभा ने बताया कि शादी के कुछ समय बाद वह जॉब के लिए नोएडा आ गई, जबकि उसके पति बेंगलुरु चले गए। 13 फरवरी 2022 को उसका पति गौरव कुमार नोएडा पहुंचा और उसके साथ शारीरिक संबंध बनाने की इच्छा जताई लेकिन शोभा ने शारीरिक संबंध बनाने से यह कहते हुए मना कर दिया कि उसकी तबीयत ठीक नहीं है। आरोप है बीवी के बीमार होने के बावजूद नवविवाहिता के पति ने उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए। विरोध करने पर गौरव ने उसके साथ जमकर मारपीट की। शोभा के मुताबिक उसका पति व ससुराल वाले उसका चरित्र हनन भी कर रहे हैं। छल कपट से उसके मोबाइल फोन पर आए ओटीपी लेकर उसके कॉल डिटेल भी निकलवाई गई है। पीड़िता के मुताबिक गत 8 जुलाई को गौरव ने उसके साथ सरेराह मारपीट की और जान से मारने की नियत से एक गाड़ी के आगे धकेलने का प्रयास किया।

ग्रेटर नोएडा में रेलवे ट्रैक पर मिला युवक का शव: 25 साल बताई जा रही है उम्र

दादरी। थाना क्षेत्र में रेलवे ट्रैक पर सुबह-सुबह एक युवक का शव मिला। शव मिलने की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और रेलवे पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस युवक के शव को कब्जे में लेकर उसकी शिनाख्त में जुट गई। दरअसल दादरी थाना क्षेत्र के अंतर्गत रामगढ़ फाटक पर रविवार की सुबह करीब 8 बजे एक युवक के शव मिलने की सूचना पुलिस को मिली। पुलिस मौके पर पहुंची और पाया कि रामगढ़ फाटक से करीब 300 मीटर बोड़ाकी की तरफ एक युवक का शव पटरी के पास पड़ा हुआ है। दादरी थाना प्रभारी सुजीत उपाध्याय

ने बताया कि रेलवे पुलिस और दादरी पुलिस मौके पर पहुंची। पाया कि वहां पर एक युवक का शव पड़ा हुआ था। जिसकी उम्र करीब 25 वर्ष प्रतीत हो रही थी। अभी तक शव की शिनाख्त नहीं हो पाई है और ना ही यह पता चल पाया है कि वह कैसे रेलवे ट्रैक पर आया लेकिन अंदेशा जताया जा रहा है कि वह रेल से सफर कर रहा था। किसी कारण अचानक नीचे गिर गया। हालांकि पुलिस इस पूरे प्रकरण की जांच कर रही है। थाना प्रभारी ने बताया कि कुछ दस्तावेज भी उस युवक के कपड़ों से मिले हैं। उनके आधार पर उसकी शिनाख्त करने की कोशिश की जा रही है। पुलिस के अनुसार मृतक युवक की लंबाई करीब 5 फुट 4 इंच है। आसपास के लोगों से भी उस युवक के बारे में जानकारी जुटाई गई है। साथ ही उसके कपड़ों से मिले दस्तावेज के आधार पर और जांच की जा रही है।

करंट लगने से बुजुर्ग महिला की मौत

ग्रेटर नोएडा। रबूपुरा कोतवाली क्षेत्र के मिजार्पुर गांव में शनिवार को बिजली विभाग की लापरवाही से एक बुजुर्ग महिला की बिजली की चपेट में आकर दर्दनाक मौत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि आसपास के लोग भी सहम गए। पीड़ित परिवार ने विभागीय अधिकारियों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा भी किया। बाद में मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मिजार्पुर गांव निवासी राहुल की 75 वर्षीय दादी अंगूरी देवी शनिवार की दोपहर घर की छत पर खड़े होकर अपने परिवार के एक बच्चे को बुला रही थी। उसी दौरान वहां से 11 हजार वोल्ट की बिजली की लाइन टच होकर निकल रही थी। जिसमें बिजली का करंट उतर रहा था। जिसकी चपेट में आकर बुजुर्ग महिला बुरी तरह से झुलस गई। हादसा इतना भीषण था कि वहां खड़े लोग भी सहम गए।

लोगों ने बचाने का प्रयास किया लेकिन। तब तक बुजुर्ग की मौके पर ही मौत हो चुकी थी। घटना के वक्त महिला के शरीर में आग की लपटें करीब 10 मिनट तक निकलती रही। घटना को लेकर पीड़ित परिवार और गांव के लोगों में रोष है। लोगों का कहना है कि बिजली विभाग की लापरवाही से ही यह भीषण हादसा हुआ है। बुजुर्ग की मौत के बाद परिवार के लोगों ने बिजली विभाग के खिलाफ गांव में नारेबाजी की। बाद में बिजली विभाग के अधिकारी और पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। इस दौरान ग्रामीणों ने जमकर खरी-खोटी बिजली विभाग के अधिकारियों को सुनाई। ग्रामीणों का आरोप है कि बिजली विभाग की लापरवाही की वजह से गांव के घरों की छतों से टच होकर 11 हजार वोल्ट की लाइन जा रही है। कई बार ग्रामीणों ने केबल लाइन डालने के लिए विभागीय अधिकारियों से शिकायत की है लेकिन ध्यान नहीं दिया गया है जिसकी वजह से ही यह भीषण हादसा हुआ है। पीड़ित परिवार ने बिजली विभाग लापरवाही का आरोप लगाते हुए कोतवाली में शिकायत भी दी। घटना की सूचना के के बाद रबूपुरा कोतवाली पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि पीड़ित परिवार की शिकायत के आधार पर जांच कर आगे की कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी। हिंदू युवा वाहिनी के पूर्व जिला महामंत्री मुकेश ठाकुर ने बताया कि बिजली विभाग की लापरवाही से गांव में पहले भी कई भीषण हादसे हुए हैं। उसके बावजूद भी केबल लाइन गांव में नहीं डाली जा रही है। इस बार में रबूपुरा कोतवाली प्रभारी सुधीर कुमार का कहना है कि महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है शिकायत के आधार पर जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

प्राधिकरण ने पार्किंग की जगह पर लगी रेहड़ी-पटरी को उठाया

ग्रेटर नोएडा। सेक्टर ओमेगा वन स्थित मार्केट के सामने पार्किंग की जगह पर रेहड़ी-पटरी का जमावड़ा लगा हुआ था। वाहनों के लिए पार्किंग में दुकान चल रही थी। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अर्बन सर्विसेज विभाग की टीम ने कार्रवाई करते हुए एक दर्जन अवैध रेहड़ी पटरी जब्त कर ली। प्राधिकरण के अर्बन सर्विसेज विभाग के प्रभारी और ओएसडी संतोष कुमार ने बताया कि ओमेगा वन की मार्केट के पास वाहनों की पार्किंग के लिए खाली जगह छोड़ी गई है। लेकिन रेहड़ी-पटरी वालों ने अपना डेरा जमा लिया था। वाहनों लगाने के लिए पार्किंग नहीं मिल पाती थी। गाड़ियां रोड पर खड़ी होती हैं। ट्रैफिक जाम जैसे हालात बने रहते थे। आए दिन शिकायत प्राप्त हो रही थी। प्राधिकरण की टीम मौके पर पहुंची और पार्किंग की जगह पर लगी एक दर्जन रेहड़ी जब्त कर ली गई।

ओएसडी ने यातायात को बाधित करने वालों के खिलाफ कार्रवाई जारी रखने की चेतावनी दी है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ रवि कुमार ने अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाने और शहर को स्वच्छ रखने की बात कही थी। इसी कड़ी में अवैध रूप से शहर में लगी हुई रेहड़ी व पटरियों के खिलाफ भी अभियान चलाया जा रहा है।

यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के नए सीईओ आने के बाद से लगातार अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चल रहा है। जगह-जगह पर अवैध रूप से हुए अतिक्रमण को हटाया जा रहा है। साथ ही शहर में अवैध रूप से में जगह-जगह पर लगी हुई रेहड़ी, यूनिपोल आदि को भी प्राधिकरण की टीम द्वारा हटाया जा रहा है।

संक्षिप्त डायरी

फोन चोरी कर खाते से निकाले दस हजार

नोएडा । सेक्टर--110 में रहने वाले एक व्यक्ति की जेब से भंगेल स्थित सब्जी मंडी से अज्ञात चोरों ने मोबाइल फोन चोरी कर लिया। इसके बाद चोरों ने फोन पे से उनके खाते से 10,200 रुपये निकाल लिए। इसको लेकर पीड़ित ने फेस दो थाने में शिकायत दी है। पुलिस को दी गई शिकायत में मनीष गर्ग ने बताया कि वह भंगेल सब्जी मंडी में सब्जी खरीदने के लिए 28 जुलाई को गए थे।

इसी बीच अज्ञात चोरों ने उनकी जेब से उनका मोबाइल चोरी कर लिया। चोरों ने मोबाइल करने के बाद फोन पे के जरिए उनके खाते से 10,200 रुपये निकाल लिए। जब उन्होंने अपने बैंक का बैलेंस चेक किया इस दौरान उनको ठगी की जानकारी हुई। शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एक्वा मेट्रो लाइन को दादरी तक बढ़ाने की मांग

ग्रेटर नोएडा। आर्य प्रतिनिधि सभा ने ग्रेटर नोएडा से नोएडा के बीच संचालित एक्वा मेट्रो लाइन को दादरी तक बढ़ाने की मांग की है। इससे दादरी क्षेत्र के लोगों को सहूलियत मिलेगी और एनएमआरसी को मुनाफा होगा। इसके लिए प्रतिनिधि सभा के जिला उपाध्यक्ष डॉ. आनंद आर्य ने एनएमआरसी के एमडी को पत्र लिखा है। इसके साथ ही स्थानीय विधायक और सांसद से भी सहयोग की अपेक्षा की है।

पाकिस्तानी नंबर से युवती को जान से मारने की दी धमकी

नोएडा। फेस दो क्षेत्र में रहने वाली एक युवती को पाकिस्तानी नंबर से वीडियों कॉल के जरिए धमकी देने का मामला सामने आया है। इसको लेकर युवती ने फेज 2 थाने में केस दर्ज कराया है। पुलिस को दी गई शिकायत में बताया युवती ने बताया कि वह नेटवर्क मार्केटिंग का काम करती हैं। इसी को लेकर उनकी कुछ दिन पहले निहाल नाम के एक युवक से बात हुई थी।

आरोपी ने उनके साथ जुड़ कर नेटवर्किंग मार्केटिंग का काम करने की इच्छा जाहिर की थी। इसके बाद आरोपी से उनकी नेटवर्क मार्केटिंग के काम को लेकर काफी बातें हुई। इस दौरान आरोपी ने उनसे दोस्ती करने की बात की जिस पर उन्होंने इनकार कर दिया। युवती का आरोप है, इस दौरान निहाल ने कॉल पर जान से मारने की धमकी दी और उनके नंबर को कुछ पाकिस्तानी लोगों को दे दिया है। जिस पर उनको वहां से हर रोज वीडियों कॉल पर जान से मारने की धमकी मिल रही है। युवती ने बताया उसका नंबर अश्लील साइट पर भी डाल दिया है। जिससे उनके पास हर रोज कॉल आ रही है। जिसकी वजह से वह मानसिक रुप से बहुत ही परेशान हो गई हैं। मामले में शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस की टीम मामले की जांच कर रही है।

महिला ने ब्वॉय फ्रेंड के साथ मिलकर कर दी पति की धुनाई

नोएडा । कहते हैं कि पति पत्नी के बीच जब कोई तीसरा आ जाए तो हंसते खेलते गृहस्थ परिवार को ग्रहण लग जाता है। ऐसा ही कुछ नोएडा के एक युवक के साथ हुआ है। यहां पर मामूली बात पर एक महिला ने अपने ब्वायफ्रेंड के साथ मिलकर अपने पति की धुनाई कर दी। पीड़ित का आरोप है कि उसकी पत्नी और उसके ब्वायफ्रेंड ने उसे जान से मारने की धमकी दी है। नोएडा के थाना फेस-1 में एक युवक ने अपनी पत्नी व उसके दोस्त के खिलाफ मारपीट व जान से मारने की धमकी देने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़ित युवक का आरोप है कि उसके साथ पूर्व में भी आरोपियों द्वारा मारपीट की जा चुकी है। बापा नगर पदम सिंह रोड दिल्ली निवासी आशीष शुक्ला ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि गत दिनों वह सेक्टर-15 में अपनी पत्नी संध्या से मिलने आया था। इस दौरान उसकी पत्नी संध्या व उसके दोस्त तुषार से एक मामूली बात पर बहस हो गई। जिसके बाद उसकी पत्नी संध्या और उसके उसके दोस्त तुषार ने उसके साथ गाली गलौज करते हुए मारपीट की। आरोप है कि तुषार व संध्या पूर्व में भी उसके साथ मारपीट कर चुके हैं। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि तुषार बार-बार फोन कर उसके साथ गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी देता है। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि पति-पत्नी के बीच विवाद चल रहा है।

नोएडा के वेदवन पार्क में जाम से मिलेगी निजात, 6 करोड़ की लागत से होगी सड़क की रिसर्फेसिंग

नोएडा । सेक्टर-78 में दिल्ली-एनसीआर के आकर्षण का केंद्र वेदवन पार्क पर उमड़ रही भीड़ के मद्देनजर जाम की समस्या बढ़ती जा रही है। इस समस्या से निजात पाने के लिए नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) डॉ. लोकेश एम. ने सडक के मरम्मत की मंजूरी प्रदान कर दी है। सीईओ की मंजूरी मिलने के बाद वेदवन पार्क के पास 3 किलोमीटर लंबी तथा 45 मीटर चौड़ी सड़क की रिसर्फेसिंग की जाएगी। इसके लिए नोएडा प्राधिकरण टेंडर जारी करने जा रहा है। इस कार्य में करीब 6 करोड़ रुपए की लागत आएगी। वर्क सर्किल-6 के तहत आने वाले क्षेत्र में बने वेदवन पार्क की भव्यता देखने शाम को लोगों की भीड़ बढ़ती जा रही है।

नोएडा के अलावा दिल्ली तथा गाजियाबाद सभी लोग इस आध्यात्मिक पार्क का नजारा देखने यहां आ रहे हैं। दरअसल, नोएडा के सेक्टार-78 में ये पार्क स्थित है आप यहां तक मेट्रो से निकलने के बाद ऑटो के जरिए जा सकते हैं या फिर गाड़ी से भी यहां तक जाना काफी आसान है। शाम को होता है लेजर शो : यहां चार वेदों के आकर्षण के अलावा भी कई दीवारें भी बनाई गई हैं। इन पर प्राचीन भारतीय संतों की मूर्तियां भी लगी हैं, यही नहीं स्थानीय लोगों की शाम को और मनोरंजक बनाने के लिए पार्क में रोजाना वॉटर लेजर शो भी किया जाता है। इसमें आधे घंटे तक वेद और पुराणों की जानकारी दी जाती है। पार्क में जिम, एम्फीथिएटर और खान पान की भी व्यवस्था है।

पीएम आवास योजना के नाम पर विकलांग को ठगा

नोएडा। प्रधानमंत्री आवास योजना के नाम पर जालसाज एक विकलांग व्यक्ति को 6 हजार रुपए का चूना लगा दिया। पीड़ित ने थाना सेक्टर-20 में अज्ञात जालसाज के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। निठारी गांव में किराए पर रहने वाले कालीचरण ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि गत दिनों उसके पास एक व्यक्ति का फोन आयी। फोन करने वाले ने उसके पैतृक गांव का ब्यौरा देते हुए बताया कि उसके द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए किए गए आवेदन की धनराशि उनके बैंक में जमा है। विश्वास जमाने के लिए फोन करने वाले व्यक्ति ने उसके गांव के प्रधान का नाम व पता बताते हुए अन्य जानकारियां दी। उस व्यक्ति ने सत्यापन के लिए बैंक का एक वीडियो भी बना कर उसे भेज दिया। फोनकर्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए जारी 2 लाख 60 हजार रुपए की धनराशि उसके खाते में ट्रांसफर करने के लिए उसे 6000 रुपए की प्रोसेसिंग फीस जमा करानी होगी।

कालीचरण के मुताबिक उसने दो खातों में उक्त रकम से ट्रांसफर कर दी। इसके बाद उस व्यक्ति का दोबारा फोन आया और 8100 रुपये की मांग की। संदेह होने पर उसने पैसे देने से इनकार कर दिया इसके बाद जब उसने बैंक में पता किया तो पता चला कि उसकी नाम की कोई धनराशि बैंक में नहीं आई है। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

सामाजिक संस्था सेव ने चलाया जागरूकता अभियान

जींद। सामाजिक संस्था सोसायटी फॉर एडवांसमेंट आफॅ विलेज एंड अर्बन एनवायनरमेंट 'सेव' ने शनिवार को शहर के शिव चौक, पंजाबी बाजार, तांगा चौक, मेल बाजार, हनुमान गली एवं न्यू मार्केट एरिया में स्वच्छता अभियान और जागरूकता अभियान चलाया। संस्था के प्रधान नरेंद्र नाडा की अध्यक्षता में चलाये गये अभियान के दौरान सदस्यों ने सड़क पर पड़े पॉलीथीन उठाकर स्वच्छता का संदेश दिया। उन्होंने लोगों से कहा कि स्वच्छता विकास की पहली सीढ़ी है। स्वच्छता नहीं होगी तो विकास भी संभव नहीं है। इस अभियान में सुजान सिंह पूनिया, कृष्ण भारद्वाज, पार्षद राकेश चुघ, वेद प्रकाश विरमानी, सुनील वशिष्ठ, बलबीर सिंह श्योकंद, बलबीर सिंह रिटायर्ड इंस्पेक्टर, महेश सैनी नंबरदार, रोहतास गुप्ता, बलजीत मनोहरपुर, जोरा सिंह रेढू,,संजय सैनी, अजय नागपाल आदि शामिल रहे।

सीएम फ्लाइंग ने पकड़े अवैध तरीके से चल रहे ठेके व अहाते

फरीदाबाद। अलग-अलग स्थानों पर अवैध तरीके से चल रहे अहाता खोलकर लोगों को शराब पिलाई जा रही थी। सीएम फ्लाइंग और आबकारी विभाग की टीम ने छापेमारी कर उन्हें पकड़ा और अब कानूनी कार्रवाई की जा रही है। ये अवैध अहाते सूरजकुंड और पृथला एरिया में चल रहे थे। सीएम फ्लाइंग के डीएसपी राजेश चेची ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि थाना सूरजकुंड क्षेत्र और पृथला में दो अवैध शराब की दुकानों के पास अवैध तरीके से अहाते चल रहे हैं। सूचना के आधार पर शराब ठेके के साथ अवैध रूप से चल रहे एक आहते तथा छपरौला मोड़ पृथला और फेट रेल कॉरिडोर के पुल के पास पृथला में दो अलग-अलग शराब के ठेकों, दुकानों को आबकारी विभाग के अधिकारियों और स्थानीय पुलिस टीम के साथ तीन अलग अलग टीमें गठित कर छापा मारा गया। सूरजकुंड एरिया में अवैध अहाते में करीब 15 से 20 आदमी शराब पीते पाए गए। आबकारी विभाग के निरीक्षक धीरेंद्र ने अहाता मालिक से अनुमति पेश करने के लिए कहा तो वह वह कोई वैध अनुमति पेश नहीं कर सका। इसी तरह सीएम फ्लाइंग की टीम ने जिले सिंह आबकारी निरीक्षक, पलवल तथा स्थानीय पुलिस थाना गदपुरी के साथ संयुक्त रूप से छपरौला मोड़, पृथला पर एक अवैध शराब के ठेके पर रेड की। इस अवैध ठेके पर कृष्ण निवासी गांव छपरौला हाजिर मिला। आबकारी निरीक्षक ने शराब बेचने के बारे में वैध लाइसेंस की मांग की गई जो पेश नहीं कर सका। कृष्ण को हिरासत में लेकर पुलिस को सौंप दिया। टीम ने मुंबई-दादरी रेलवे कॉरिडोर के साथ गांव पृथला के रकबा में रेलवे अंडरपास के पास अवैध ठेके पर रेड की। ठेके पर रवि निवासी गांव छपरौला हाजिर मिला। इसके पास भी शराब बेचने का कोई लाइसेंस नहीं था।

अपने ही घर से सोने का कीमती हार चोरी करने वाले आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

करनाल। जिला पुलिस करनाल की थाना मुनक की टीम ने एक ऐसे आरोपी को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है, जिसने अपने ही घर से सोने का कीमती हार चोरी करने की वारदात को अंजाम दिया था। कल 28 जुलाई को एएसआई राजीव सिंह थाना मुनक की अध्यक्षता में टीम ने आरोपी सन्नी पुत्र सतीश वासी गांव मुनक को मुनक से गिरफ्तार किया। जांच में खुलासा हुआ कि आरोपी नशा करने का आदी है। नशा पूर्ति के लिए रुपयों का इंतजाम करने के लिए अपने ही घर से चोरी की वारदातों को अंजाम देता है। इस वारदात को अंजाम देने से पहले भी आरोपी ने एक बार अपने घर से जेवरात चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। हार चोरी करने के बाद आरोपी ने चोरी किए गए हार को मतलौडा में एक बैंक में गिरवी रखकर उस पर 48,000 रुपए का लोन ले लिया था। इस वारदात के संबंध में कल 28 को आरोपी सन्नी की मां अनीता ने थाना मुनक में एक शिकायत दी थी। जिसमें उसने बताया कि उसने अपनी अलमारी में अपने सोने व चांदी के जेवरात रखे हुए थे। जब 24 जुलाई को उसने अलमारी में रखे अपने जेवरात चेक किए तो अलमारी में रखा उसका सोने का कीमती हार चोरी हुआ मिला। जब इस बारे में उसने अपने लड़के सन्नी से पता करना चाहा तो उसका लड़का सन्नी बिना बताए घर से भाग गया। जिसके बाद शिकायतकर्ता अनीता ने अपने लड़के सन्नी पर ही चोरी करने का शक जाहिर किया। इस संबंध में कल को थाना मुनक में आरोपी सन्नी के खिलाफ धारा 380, 454 भारतीय दंड संहिता के तहत मामला दर्ज किया। हार को बरामद करने के लिए आरोपी को एक दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

हरियाणा में नियुक्ति पत्र के बावजूद डॉक्टरों ने ज्वाइन नहीं ड्यूटी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार के प्रयासों के बावजूद प्रदेश के अस्पतालों में डाक्टरों की भर्तियां सिरे नहीं चढ़ पा रही हैं। नियुक्ति के बावजूद ड्यूटी नहीं संभालने पर सरकार ने 84 डाक्टरों की नियुक्तियां रद्द कर दी हैं। इनमें 68 डॉक्टर वह हैं जिन्होंने सरकार द्वारा नियुक्ति पत्र जारी होने के बाद सत्यापन प्रपत्र और स्व घोषणा पत्र जमा नहीं करवाया। स्वास्थ्य विभाग में कई बार ऐसा हो चुका है जब नियुक्ति के बावजूद चिकित्सक ड्यूटी ज्वाइन नहीं करते हैं। इस बार भी सरकार ने 16 ऐसे डॉक्टरों की नियुक्तियां रद्द की हैं जिन्होंने नियुक्ति पत्र जारी होन के बाद भी ड्यूटी नहीं संभाली। इन सभी डॉक्टरों को विभाग की तरफ से कई बार पत्र जारी करके ड्यूटी ज्वाइन करने का मौका दिया गया। जिसके बाद सरकार ने 84 डॉक्टरों के नियुक्ति पत्र रद्द करके प्रतिक्षा सूची में शामिल 25 डॉक्टरों को नियुक्ति पत्र जारी कर दिए हैं। सरकार ने जिन डॉक्टरों ने नियुक्ति पत्र रद्द किए हैं उनमें 63 सामान्य श्रेणी, पांच बीसीए वर्ग के शामिल हैं। जिन डॉक्टरों ने नियुक्ति पत्र जारी होने के बाद भी ज्वाइन नहीं किया उनमें 16 डॉक्टर सामान्य श्रेणी से संबंधित हैं।

हरियाणा के सरकारी विभागों में होगी रेशनलाइजेशन

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार के निर्देश पर रेशनलाइजेशन आयोग ने काम शुरू कर दिया है। आयोग छह माह के भीतर कर्मचारियों की उपलब्धता व मांग पर एक रिपोर्ट सरकार को सौंपेगा। इसकी शुरूआत शिक्षा विभाग से हो गई है। शिक्षा विभाग में अध्यापकों के रिक्त पदों को लेकर लंबे समय से विवाद छिड़ा है। वर्तमान में भी प्रदेश के बहुत से स्कूल ऐसे हैं, जहां मांग के अनुरूप अध्यापक नहीं हैं। दरअसल, हरियाणा सरकार ने मार्च माह के दौरान प्रदेश में रेशनलाइजेशन आयोग का गठन किया था। पूर्व आईएएस राजन गुप्ता को इस आयोग का अध्यक्ष बनाया गया है। आयोग ने शिक्षा विभाग में रेशनलाइजेशन की प्रक्रिया को शुरू कर दिया है। आयोग की मांग पर निदेशालय मौलिक शिक्षा विभाग ने प्रदेश के सभी जिला मौलिक शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वह अपने जिलों में चल रहे, ऐसे स्कूलों की रिपोर्ट भेजें, जहां एक ही परिसर में प्राइमरी, मिडल, हाई तथा सीनियर सेकेंडरी स्कूल चल रहे हैं। इसके अलावा उन स्कूलों की रिपोर्ट भी भेजी जाएगी, जहां प्राइमरी तथा सीनियर सेकेंडरी स्कूल एक ही परिसर में चल रहे हैं। इसके अलावा ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में स्कूलों तथा विद्यार्थियों की संख्या पर रिपोर्ट मांगी गई है। यह सारी रिपोर्ट सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को 1 अगस्त तक चंडीगढ़ मुख्यालय को भेजने के निर्देश दिए गए हैं। जिलों से आने वाली रिपोर्ट के आधार पर निदेशालय पूरे प्रदेश की रिपोर्ट तैयार करके 7 अगस्त को रेशनलाइजेशन आयोग के साथ होने वाली बैठक में यह रिपोर्ट पेश करेगा।

रोहतक की सुनारिया जेल में कैदी भिड़े, दूध को लेकर हुआ विवाद

रोहतक। जिले की सुनारिया जेल में कैदी दूध को लेकर आपस में भिड़ गए। झज्जर के एक कैदी को जब दूध की थैली मिली तो दूसरे कैदियों ने दूध की थैली को लेकर झगड़ना शुरू कर दिया। झगड़ा शांत करवाने के बाद कैदी को बाथरूम में बुला कर 6 कैदियों ने पीटा। रोहतक की शिवाजी कॉलोनी निवासी करीब 19 वर्षीय मनीक सुनारिया जेल में बंद है। मनीक ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी बैरक में दूध आया था। उसने अपने हिस्से की थैली (पैकेट) ली। इसी बात को लेकर अन्य हवालाती अरुण व अशोक के साथ कहासुनी हो गई। अन्य हवालातियों ने बीच-बचाव किया और मामला शांत करवाया।

बाथरूम में ले जाकर किया हमला

मनीक के अनुसार, वह अपने बिस्तर पर बैठा था। इसी दौरान अरुण व अशोक आए। उन्होंने मनीक को बात करने के लिए बाथरूम में बुलाया। जब वह बाथरूम में गया तो नमन, समीर, लखबीर उर्फ लख्खा सहित एक अन्य कैदी भी वहां आ गया। उन्होंने आते ही मनीक के साथ मारपीट शुरू कर दी। उसकी आवाज सुनकर अन्य हवालाती व जेल कर्मी आए और उसे छुड़वाया। हमलावरों ने जान से मारने की धमकी दी है।

PG रोहतक में करवाया गया भर्ती

घायल हवालाती मनीक को उपचार के लिए रोहतक PGI में भर्ती करवाया गया है। वहीं पुलिस ने शिकायत के आधार पर रोहतक के शीतल नगर निवासी अरुण, हिसार के गुराण निवासी अशोक, झज्जर के दुबलधन निवासी नमन, भाली आनंदपुर निवासी समीर व लखबीर उर्फ लख्खा सहित एक अन्य के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

नशा मुक्ति जागरूकता अभियान के तहत कार्यक्रम का हुआ आयोजन

कैथल। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय खेड़ी गुलाम अली में नारायण सेवा संस्थान शाखा कैथल की ओर से नशा मुक्ति जागरूकता अभियान के तहत एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता विद्यालय के प्रधानाचार्य हरपाल सिंह ने की व मंच का संचालन हिंदी प्राध्यापक सतबीर सिंह ने किया। नारायण सेवा संस्थान के प्रधान डॉ. विवेक गर्ग ने बच्चों को नशे की लत के कारण होने वाले दुष्परिणाम और नशे को रोकने के लिए किस प्रकार के कदम उठाए जाने चाहिए, इनकी विस्तार पूर्वक जानकारी दी। डॉ. नरेश गर्ग ने नशों से होने वाले नुकसानों के बारे में बच्चों को बताया किया। शेर सिंह ने कविता के माध्यम से बच्चों को जागरूक करते हुए कहा कि नशा एक जहर है जिससे मनुष्य का जीवन खत्म हो जाता है। समाजसेविका डॉ. दया रानी ने कहा कि हम सेवा किसी भी रूप में और कहीं पर भी कर सकते हैं, सेवा व दुआएं कभी समाप्त नहीं होती। कविता के माध्यम से उन्होंने कहा कि ऐसा गिरा कि उठ ना पाया, एक दिन ऐसा तूफान है आया।

सोमनाथ ने स्मार्ट बोर्ड पर बच्चों को जागरूक करने के लिए एक वीडियो भी दिखाई। डॉ. विवेक गर्ग ने बताया कि नारायण सेवा संस्थान दिव्यांग बच्चों के लिए कृत्रिम अंग प्रदान कर उनके जीवन में खुशियां लाने का काम भी करता है और उन्हें एक नया हौसला देता है। सीवन थाना प्रभारी सुरेश कुमार ने ग्रामीणों को नशा करने वालों की जानकारी देने और नशा रोकने के लिए सहयोग करने की अपील की और विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने का आह्वान किया। इस अवसर पर गांव के सरपंच गगनदीप सिंह, एसएमसी प्रधान राजेंद्र, उप प्रधान रमेश, मांजला गांव के सरपंच बलविंदर, नांगल सरपंच सुखविंदर, लवप्रीत, मनीष, ऋषिपाल, विक्रम, सचिन, और गांव के अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

बीरेंद्र सिंह का जेजेपी को करारा जवाब

जिनकी घर में कदर नहीं होती, वे बाहर चुनाव लड़ने जाते

हिसार। हरियाणा के जींद जिले की उचाना सीट और गठबंधन को लेकर चौधरी बीरेंद्र सिंह और चौटाला परिवार के बीच पिछले कुछ समय से वाकयुद्ध जारी है। पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता बीरेंद्र सिंह ने एक बार फिर चौटाला परिवार पर तंज कसा है। जजपा नेता अजय चौटाला और दिग्विजय चौटाला के बीरेंद्र सिंह को डबवाली या उचाना से बाहर चुनाव लड़ने की चुनौती देने पर पूर्व केंद्रीय मंत्री ने जवाब देते हुए कहा कि जिनकी घर में कदर नहीं होती, वहीं बाहर जाते हैं। बता दें कि जजपा नेताओं का गृह जिला सिरसा है, लेकिन उन्होंने जजपा के गठन के बाद से कोई भी चुनाव सिरसा में नहीं लड़ा। दुष्यंत ने जींद की उचाना विधानसभा सीट से चुनाव लड़ा, जबकि नैना चौटाला ने भिवानी की बाढ़डा सीट से।

मेरी कैलकुलेशन में गड़बड़ हो गई

बीरेंद्र सिंह ने कहा कि हमारा और चौटाला परिवार का 5 बार मुकाबला हुआ है। 3 बार हमारा परिवार जीता। 2014 में मेरी पत्नी प्रेमलता ने दुष्यंत को हराया। लोकसभा चुनाव में मेरे बेटे ने दुष्यंत को हराया। खुद मैंने बड़े चौटाला को संसदीय चुनाव में हराया। एक चुनाव मैं अपनी गलती से 620 वोट से ओम प्रकाश चौटाला से हार गया। मेरी कैलकुलेशन में गड़बड़ हो गई।

मेरे लोग जब खुश होते हैं तो जीता देते हैं

बीरेंद्र सिंह ने कहा कि किसी की सोच घर-घर जाकर मांगने की है, किसी की सोच खुद मेहनत करके कमाने की है। अजय, दिग्विजय के बारे में न ही पूछो तो अच्छा है। मैं अपने लोगों के बीच हूं, जब वे खुश होते हैं तो मुझे जीता देते हैं, थोड़ी बहुत नाराजगी होती है तो हरा देते हैं। यह कोई बड़ी बात नहीं है। पूर्व केंद्रीय मंत्री बीरेंद्र सिंह ने कहा कि चुनाव में यदि किसी पार्टी को बहुमत नहीं मिलता तो राजनीतिक दल गठबंधन करते हैं। यह पहले भी होता रहा है। पूर्व ष्टरू भूपेंद्र सिंह हुड्?डा नंबर वन हरियाणा बोलते हुए 40 सीट पर आ गए थे। भाजपा वाले 75 बोलते हुए 40 पर आ गए।

राजनीति अनुभव के आधार पर कह रहा हूं

बीरेंद्र सिंह ने कहा कि चुनाव लड़वाने का गठबंधन और सरकार चलाने वाले गठबंधन की अलग-अलग बात है। यदि भाजपा 10 साल राज करने के बाद इस पोजिशन में समझती है कि हम अकेले लड़ने में सक्षम हैं तो उसे गठबंधन की जरूरत क्या है। यह मैं किसी स्वार्थ से नहीं कह रहा, बल्कि राजनीतिक अनुभव के आधार पर कह रहा हूं।

मूर्ख मित्र से दोस्ती नहीं कीजिए : उपेन्द्र मुनि

करनाल। जैन मुनि ऊपेंद्र मुनि जी ने कहा है कि मूर्ख और पशु के जीवन में कोई अंतर नहीं होता। मूर्ख अनुष्य अधिक परवश, बंचन खरत, पाड़िवक और जड़ता से मुक्त अविकसित अब वाला होता है कि वह पशु-पक्षी को भी मात कर देता है। जैन स्थानक में धर्म सभा को संबोधित करते हुए पंडित रत्न शास्त्री श्री उपेंद्र मुनि जी ने कहा कि मनुष्य का लक्षण मनन करके कार्य करने वाला है। लेकिग मुना का मूर्ख होता. मनुष्या लक्षण के विपरीत है। कई मनुष्य ऐसे भी मिलते हैं, जिसकी बुद्ध विकसित नहीं हुई है या उन्होंने अपने बुद्धि वैभव को बढ़ाने का प्रयास नहीं किया। सूख व्यक्ति ना सलाह लेना चाहता है और ना ही देना चाहता है और न ही मूर्ख के पास किसी कार्य-अकार्य का विवेक ही होता है। मूर्ख व्यक्ति अपनी आठ विशेषताओं के कारण सुख से जीता है यथा मूर्ख के किसी प्रकार की चिंता नहीं होती, मूर्ख अत्याधिक बोलता है, बड़ों के बीच बोलता है, रात दिन आलस्य में भरा रहता है, कार्य-अकार्य का विवेक नहीं होता, मूर्ख पर सम्मान और अपमान का कोई असर नहीं होता, शरीर नीरोग रहता है तथा मूर्ख हट्टा-कट्टा मजबूत होता है। नीतिकार ऐसे भूखों की पहचान बताकर उनसे हरसंभव बचे रहने की प्रेरणा देते हैं। मूर्ख व्यक्ति घमण्डी प्रकृति का होता है, कदुभाषी होता है. हावाही-अपनी बात पर अड़े रहने वाला, अप्रियवादी, बकवादी तथा किसी हितैषी की बात नहीं मानने वाला होता है। वह सार

असार का, कार्य अकार्य का हित अहित का, भले बुरे का धर्म अधर्म का कोई विचार नहीं करता।

मूख व्यक्ति की पहचान वाणी में विवेक का नहीं होना हैं

मूर्ख व्यक्ति की सबसे अ'छी पहचान है-वाणी का अविवेक। वह जब वचन बोलता है तभी पता लग जाता है कि उसका वचन मूर्खतापूर्ण है या सुविचारपूर्ण। कई मूखों की आदत 'यादा बकवास करने की होती है। अपने आपको बुद्धिमान सिद्ध करने के लिए वे किसी के न पूछने पर भी बोलते ही रहते हैं। वो एक बार शुरू होने के बाद रूकते नहीं है, उन्हें कोई रोकना चाहे तो वे उससे ही लड़ पड़ते हैं अर्थात् अत्याधिक और अप्रासंगिक बोलना मूर्खता का चिन्ह है। मूर्ख अपने को सही सिद्ध करने के लिए वाचालता का सहारा लेता है। मुनि श्री उपेंद्र जी म0 सा0 ने कहा कि मूर्ख व्यक्ति हठी और जिद्दी होते हैं। उनकी अटपटी प्रकृति के कारण ही मूर्खता के चिन्ह अहंकारवश उनमें व्यक्त होने लगते हैं। यथा- वह अपने से बड़े बल्कि के साथ भिड़ जाता है, जिसने कुछ भी काम नहीं किया, उस पर भरोसा कर लेता है, नादानों के साथ अतिपरिचय करने लगता है तथा स्त्रियों के छल प्रपंच से गाफिल रहता ही जिसके कारण मूर्ख में विभिन्न कमियाँ आ जाती हैं जैसे नीच कार्य करके प्रतिष्ठा प्राप्त करने की इ'छा, शत्रु के साथ मैत्री और मित्रों के साथ द्वेष, स्वयं करने योग्य कार्य कर्मचारियों से करवाना, प्रत्येक कार्य विलम्ब से करना, बिना पूछे बीच में बोलना, बिना मेहनत के अलभ्य वस्तु की चाहना, बेकसूर को दण्ड देना, बेमतलब दूसरों के घर जाना, सामान्य सी वस्तु की याचना कर बैठना, अपने से बलवान के साथ शत्रुता रखना, अ'छे कार्यों में अरुचि दिखाना, दूसरों का आश्रयस्थल खत्म करना और तनिक प्रशंसा से प्रभावित होकर कर्ज करके खर्च करने में भी मूर्ख अपना गौरव समझता है।

अंबाला में मोहाली का युवक गिरफ्तार, अवैध पिस्टल बरामद

अंबाला। हरियाणा के अंबाला में जिले CIA-1 ने अवैध पिस्टल के साथ पंजाब के बदमाश को गिरफ्तार किया है। बदमाश किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में सद्दोपुर रोड पर खड़ा था। आरोपी पहले भी चोरी के कई मामलों में पकड़ा जा चुका है। आरोपी अमनदीप सिंह उर्फ रिक्की पंजाब के जिला मोहाली के गांव बजहेड़ी का रहने वाला है।

पुलिस के मुताबिक, CIA-1 की टीम अंबाला सिटी में मोटर मार्केट के पास लङ्ग रोड पर गश्त कर रही थी। इस दौरान मुखबिर ने गुप्त सूचना दी कि गांव बजहेड़ी जिला मोहाली (पंजाब) निवासी अमनदीप सिंह उर्फ रिक्की अपराधी किस्म का युवक है। पहले भी चोरी के कई मामलों में पकड़ा जा चुका है। अभी भी वह वारदात करने की फिराक में है।

CIA आरोपी से कर रही पूछताछ

CIA को बताया गया कि बदमाश रिक्की अपने पास देसी पिस्टल रखता है। आज भी वह टी-प्वाइंट पर मनमोहन नगर पुलिया के पास सद्दोपुर रोड पर किसी वारदात को अंजाम देने के लिए खड़ा है। CIA ने तुरंत रेड करके आरोपी को काबू किया। आरोपी अमनदीप सिंह उर्फ रिक्की की तलाशी लेने पर जींस की दाहिनी ढब से देसी पिस्टल बरामद हुई।

आरोपी के खिलाफ बलदेव नगर थाने में आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। CIA आरोपी से पूछताछ में जुटी है।

पानीपत में नवविवाहिता ससुराल से भागी, 2 महीने पहले की थी कोर्ट मैरिज

पानीपत। हरियाणा के पानीपत शहर से एक नवविवाहिता संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई है। महिला ने 2 महीने पहले कोर्ट मैरिज की थी। इसके बाद दंपती पंजाब में रहने लगा। अब वे वापस पानीपत लौटे थे कि एक दिन रहने के बाद महिला संदिग्ध हालातों में घर से लापता हो गई। महिला साथ में मोबाइल फोन भी ले गई है, लेकिन वह स्विच ऑफ है। महिला के पति ने शिकायत पुलिस को दी है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर महिला की गुमशुदगी का केस दर्ज करके उसकी तलाश शुरू कर दी है।

शादी के बाद पंजाब के जालंधर में रहने लगे थे दोनों

मॉडल टाउन थाना पुलिस को दी शिकायत में मनीष ने बताया कि वह गांव नौल्था का रहने वाला है। इन दिनों वह मॉडल टाउन में रहता है। उसने 31 मई को UP के प्रयागराज की रहने वाली 19 वर्षीय युवती से कोर्ट मैरिज की थी। शादी के बाद दोनों पंजाब के जालंधर में रहने लगे। 27 जुलाई को दोनों पानीपत आ गए। यहां माता-पिता के पास रहने लगे। 28 जुलाई को पत्नी अचानक घर से लापता हो गई। मां-बाप से पूछा तो उन्हें भी उसके जाने का कुछ पता नहीं लगा। इतना ही नहीं, उसकी पत्नी साथ में मोबाइल फोन भी ले गई है, जो कि स्विच ऑफ है। मनीष का कहना है कि जिस वक्त उसकी पत्नी घर से निकली थी, उस वक्त घर पर कोई नहीं था, लेकिन उसके घर से चले जाने की बिल्कुल भी संभावना नहीं थी। इसके अलावा पति-पत्नी के बीच कोई झगड़ा भी नहीं था। उन्हें नहीं पता कि आखिर वह ऐसे क्यों चली गई।

अपनी हरियाणवी संस्कृति और सभ्यता से करें अधिक लगाव : डॉ.राजीव शर्मा

कैथल- राजकीय उच्च विद्यालय जाजनपुर में आजादी के अमृत महोत्सव के तहत हरियाणा कला परिषद की ओर से एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें डॉ. राजीव शर्मा और उनकी टीम ने स्टाफ सदस्यों और विद्यार्थियों को गीत-संगीत के माध्यम से हरियाणवी संस्कृति से रूबरू करवाया और देश के शहीद जवानों की कुर्बानियों के बारे में भी बच्चों को अवगत करवाया। सभी विद्यार्थियों ने भी बढ़ चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. राजीव शर्मा ने कहा कि हमें अपनी संस्कृति से जुड़कर रहना चाहिए, हमें अपने संस्कार नहीं भूलने चाहिए। सभ्य तरीके से लिखे गए और गाए गए गीत व संगीत को ही सुनना चाहिए। उन्होंने कहा कि समय-समय पर स्कूलों से जोड़ने का काम कर रही है, इस दौरान टीम ने अनेक रागनियों की प्रस्तुतियों से संस्कृति से अवगत करवाया। प्रसिद्ध हास्य कलाकार डॉ. राजीव शर्मा ने चुटकुलों और मिमिक्री से सभी को लोटपोट किया। स्कूल की ओर से टीम का धन्यवाद करते हुए अध्यापक शिशपाल ने कहा कि हरियाणा कला परिषद टीम जो

स्कूलों में जाकर युवाओं को संस्कृति से जोड़ने का काम कर रही है वह एक सराहनीय कदम है जिसका हम सम्मान करते हैं। स्कूल के सभी बच्चों ने हरियाणा कला परिषद टीम द्वारा आयोजित कार्यक्रम का आनंद उठाया और कहा कि ऐसे कार्यक्रम हमारी संस्कृति को आगे बढ़ाने में सहायक सिद्ध होंगे जिसमें एक छात्र अनमोल ने शहीद भगत सिंह की रागनी सुना कर टीम का स्वागत किया। इस मौके पर अध्यापिका कविता, सीमा देवी, मा. शिशपाल , सुभाष शास्त्री, कृष्ण कुमार, संजय गहलोत, रामदिया, बलराज नरेश कुमार भी मौजूद रहे।

पार्टी का हर कार्यकर्ता करें संगठन को मजबूत, आने वाला समय कांग्रेस का : डा. मुनीश परवेज राणा

करनाल। हरियाणा में 2024 में होने वाले लोकसभा और विधानसभा चुनावों को लेकर कांग्रेस में मंथन शुरू हो गया है। जिसको लेकर हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व प्रदेश सचिव डा. मुनीश परवेज राणा ने हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रभारी दीपक बाबरिया से मुलाकात की। उन्होंने हरियाणा प्रदेश की राजनीति को लेकर भी उनसे चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता भाजपा के कुशासन से तंग आ चुकी है। प्रदेश की भाजपा सरकार ने लोगों का जीना मुहाल किया हुआ है। जिसके चलते प्रदेश की जनता ने भाजपा को उखाड़ने का मन बना लिया है। अब प्रदेश की जनता प्रदेश की खुशहाली के लिए सत्ता की चाबी कांग्रेस के हाथों सौंपना चाहती है। उन्होंने कहा कि पार्टी का हर कार्यकर्ता मजबूती से कार्य कर रहा है। हरियाणा में कांग्रेस के संगठन की घोषणा जल्द होने की संभावना है। डा. मुनीश परवेज राणा ने कहा कि प्रभारी दीपक बाबरिया जल्द ही कार्यकर्ताओं के बीच पहुंचेंगे और उन्हें टिप्स दिए जाएंगे कि कैसे पार्टी को आगे बढ़ाना है।

जिसको लेकर पार्टी का कार्यकर्ता जनता के बीच जाकर किस तरह से पार्टी की नीतियों का प्रचार प्रसार करेंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी का हर कार्यकर्ता संगठन को मजबूत बनाने के लिए कार्य करें क्योंकि आने वाला समय कांग्रेस का है। इसलिए सभी एकजुट होकर कांग्रेस की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करें।

स्वास्थ्य के लिए हानिकारक डियोडरेंट्स

गर्मियां हो या सर्दियां डियोडरेंट् का प्रयोग आम हो चला है। लड़कियां व महिलाएं इसका प्रयोग ज्यादातर करती हैं लेकिन वह नहीं जानती कि डियोडरेंट उनकी कोमल त्वचा को हानि पहुंचा सकता है क्योंकि इसमें एल्युमीनियम निर्मित लवणों का प्रयोग किया जाता है जो त्वचा के भीतर की ग्रंथियों को हानि पहुंचा सकते हैं....

पसीने की दुर्गंध को दबाने के लिये बाजार में विभिन्न प्रकार के खुशबुओं के डियोडरेंट्स बिकते हैं। ऐसे खुशबूदार डियोडरेंट्स का मजा पांच-सितारा होटल और शादी ब्याह या पार्टियों में देखने को मिलता है। डियोडरेंट्स का इस्तेमाल लड़कियां और महिलाएं बहुत अधिक करती हैं।

- महिलाओं की त्वचा अत्यधिक कोमल होने की वजह से डियोडरेंटस सेहत को हानि पहुंचा रहे हैं। पसीने की क्रिया को रोकना मुश्किल है। बाजार में उपलब्ध सभी डियोडरेंट्स में अल्यूमीनियम निर्मित लवण मिलाये जाते हैं जो हमारी त्वचा के भीतर की ग्रंथियों को नुक्सान पहुंचाते हैं। आइये, डियोडरेंट्स के बारे में विस्तार से जानकारी हासिल करें।
- डियोडरेंटस त्वचा के नीचे पसीने की ग्रंथि के छिद्रों को संकुचित करते हैं और लंबे समय तक इस्तेमाल करने पर ये छिद्रों को बंद कर देते हैं जिससे पसीने की क्रिया बंद हो जाती है। कई महिलाओं में शरीर और बगल में दाने और फुंसियां भी निकल आती हैं।
- डियोडरेंट्स स्प्रे करते वक्त लापरवाही से आंखों में चला जाये तो आंखे लाल हो जाती हैं और अगर तुरंत शुद्ध पानी से न धोया जाये तो रोशनी भी जा सकती है।
- महिलाओं में बगल के नजदीक स्तन होने के कारण कभी-कभी डियोडरेंट्स में पाये जाने वाले जिरकालीन साल्ट स्तन कैंसर को जन्म देते हैं।
- डियोडरेंट्स में पाये जाने वाले अल्यूमीनियम लवण ग्रंथियों द्वारा रक्त कोशिकाओं तक पहुंच जाते हैं तथा रक्त में घुलकर लंबे समय के बाद अल्जाइमर रोग को जन्म देते हैं।
- डियोडरेंट्स को कभी छाती पर स्प्रे न करें ऐसा करने पर हृदय की गति धीमी पड़ जाती है और अचानक इससे मृत्यु भी हो सकती है।
- इस आधुनिक युग में डियोडरेंट्स का उपयोग रोकना नामुमकिन है। पसीने की दुर्गंध को मिटाने के लिये 10-12 गिलास पानी पियें। नहाते वक्त पानी में डिटाल या नींबू का रस मिलाकर नहायें। शरीर में महक बढ़ाने के लिये नहाने के पानी में गुलाब जल डालें। हफ्ते में एक बार बगल में नीम और चंदन का लेप लगायें।
- बाजार से डियोडरेंट्स खरीदते वक्त देख लें कि उसमें अल्यूमीनियम क्लोराइड न हो क्योंकि यह सेहत के लिये हानिकारक हैं। डियोडरेंट अगर अल्यूमीनियम क्लोरोहाईड्रेट से बना है तो जरूर खरीदें क्योंकि त्वचा के लिये अत्यधिक सुरक्षित हैं। प्रोपेन, ब्युटेन, जिंक, जिरकोनियम युक्त डियोडरेंट्स कम सुरक्षित हैं तथा दिन में केवल एक बार प्रयोग करें।
- भोजन में फल का सेवन अधिक करें तथा डियोडरेंट्स की जगह पाउडर का इस्तेमाल करें।

हेल्थ प्लस ताकि त्वचा रहे स्वस्थ

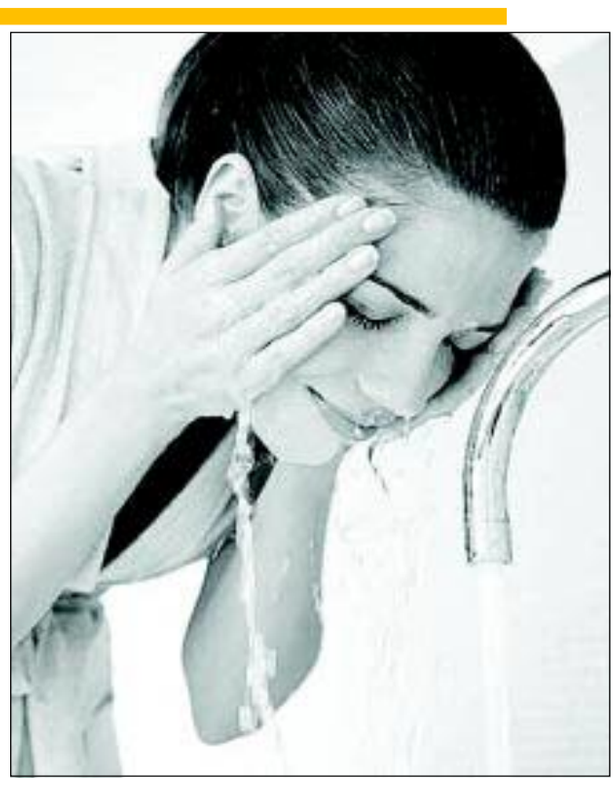

सुंदर और बेदाग त्वचा व्यक्तित्व निखार का कारण बनती है, वहीं उन्हें दीर्घकालीन स्वास्थ्य भी प्रदान करती है। त्वचा किसी को भी संरक्षण प्रदान कर उसका कायाकल्प करती रहती है, अत: हर किसी को त्वचा की देखभाल अच्छी तरह करनी आनी ही चाहिए। इसके लिए सर्वप्रथम हमें शरीर को पांच भागों में विभक्त करना होगा।

- चेहरे की स्वच्छता एवं साफ सफाई।
- शरीर के विभिन्न हिस्सों की सफाई।
- शरीर स्थित पैर, एड़ी, पंजे एवं अंगुलियों की सफाई।
- सिर स्थित बालों की सफाई।
- त्वचा की सफाई हेतु अक्सर और अधिकांशत: सभी लोग साबुन का प्रयोग करते हैं अथवा तरल साबुन का जिसे शैंपू भी कहा जता है। साबुन लगाने के बाद सारा शरीर अच्छी तरह मल कर झांवे से रगड़कर पहले शरीर स्थित मैल उतरने देना चाहिए। तत्पश्चात पानी से खूब अच्छी तरह धो लेना चाहिए जिससे सारा साबुन भी मैल के साथ धुल जाए।
- अक्सर चेहरे पर मुंहासे हो जाते हैं। जब मुंहासे हों तो अपना तकिया और उसका गिलाफ हमेशा स्वच्छ रखें। मानसिक प्रफुल्लता एवं संतोष हेतु समय समय पर बदलते रहना चाहिए।
- मुंहासों के लिए जरूरी नहीं कि महंगा उपचार किया जाए। सस्ते देसी हर्बल टिप्स से भी अक्सर लाभकारी अनुभव होता हैं। कील-मुंहासे भी दूर हो जाते हैं। नीम और पुदीना का प्रयोग सबसे सस्ती विधि है।
- शरीर को धूप से बचाना भी अच्छे स्वास्थ्य के लिए निहायत जरूरी होता है वरना त्वचा के झुलस जाने और काले पड़ जाने की असीम संभावनाएं रहती हैं इससे बचने के लिए घर से निकलने से पहले सनस्क्रीन क्रीम या माइश्चराइजर अवश्य ही लगाना चाहिए।
- नहाते समय एड़ी, पंजों और पोरों तथा उंगलियों के बीच की त्वचा बहुत अच्छी तरह से साफ करनी चाहिए। नहाने के बाद शरीर पोंछ कर कोल्ड क्रीम, वैसलीन अवश्य लगानी चाहिए।
- विशेष ख्याल रखना चाहिए कि एड़ियां कटी-फटी न हों, वरना धूल मिट्टी के संसर्ग में आने पर कई संक्रामक रोग हो जाते हैं। एड़ियां कटी फटी हों तो फौरन उरचार करें।

बचिए... कमर दर्द के खतरे से

कमर हमारे शरीर का महत्वपूर्ण हिस्सा है, लेकिन अक्सर हम इसे नजरअंदाज कर देते हैं। कमर दर्द को साधारण मानकर टाल देना खतरनाक हो सकता है। इसलिए हमें कमर को स्वस्थ रखना होगा। कमर दर्द के संबंध में जागरूक कैसे रहें, आइए जानते हैं।

कमर दर्द कई कारणों से हो सकता है। ऑस्टियो ऑर्थिराइटिस (जब जोड़ों में कार्टिलेज की कमी हो जाती है), स्लिप्ड डिस्क किसी भारी चीज को उठाते समय शरीर का मुड़ जाना, रियुमटोइड ऑर्थिराइटिस (एक दर्दभरी स्थिति जिससे कमर दर्द होता है) और रिफरड पेन जिसका आपकी कमर से सीधा संबंध हो, लेकिन उसे प्रभावित करे। इसके अलावा भी कई अन्य कारण कमर दर्द के हो सकते हैं, जैसे सही पोश्चर में न बैठना, खराब जूते पहनना आदि।

क्या खाएँ- 30 की उम्र तक आपका शरीर प्रोटो गलिकन्स का उत्पादन करता है, जो हड्डियों को सुरक्षा प्रदान करता है। जब आप 30 को पार कर जाएँ तो इस उत्पादन को जारी रखने के लिए वे फूड्स खाएँ जिनमें प्रोटीन और कैल्शियम की अधिकता होती है। अपने आहार में शामिल करें- फल, सब्जियाँ, दूध, अनाज।

व्यायाम करें- कमर की हल्की एक्सरसाइज और स्ट्रैच आपकी रीढ़ की हड्डी को लचीला बनाए रखती है। नतीजतन कमर दर्द नहीं होता। इसके लिए आप कोई भी एक्सरसाइज चुन सकते हैं, लेकिन अगर किसी समस्या से ग्रसित हैं तो पर्याप्त मार्गदर्शन जरूर लें।

मोटापा कम करें- अत्यधिक वजन कमर में चोट का कारण बन सकता है जिससे कमर दर्द हो सकता है। इसलिए अतिरिक्त वजन को फौरन कम करें।

तनावरहित रहें- तनाव से मांसपेशियों में खिंचाव उत्पन्ना होता है। तनावमुक्त रहें। योग करें, ध्यान लगाएँ।

पोश्चर- एक ही स्थिति में अधिक देर तक न बैठे रहें। उठें और वॉक करें। साथ ही जब कोई चीज उठाएँ तो घुटनों को मोड़ पूरी तरह झुकने की बजाय पंजों पर बैठें। इससे कमर पर दबाव काफी हद तक कम हो जाता है।

खास मंत्र- अपने काम को वार्म अप करके कमर को कमान बना लें और स्ट्रेच करें। इस तरह आप कुछ सेकंड में ही ऊर्जा से भर जाएँगे।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)

जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। आत्मीय श्रेष्ठता बनेगी। शुभांक-2-5-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)

मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक-3-6-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)

कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-3-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)

शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहें। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-4-7-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)

अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती हैं। शुभांक-3-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। सब्र का फल मीठा होता है अत: धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। काम में लगे रहें लाभ होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। शत्रु से सावधान रहें। शुभांक-1-3-5

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)

महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)

स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-3-4-5

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)

संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। पत्नी का परामर्श लाभदायक रहेगा। शुभांक-2-4-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)

व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। सच्चाई का सहारा लें कार्यसिद्धि होगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। समय आपके पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-3-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)

कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-2-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)

मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 2901

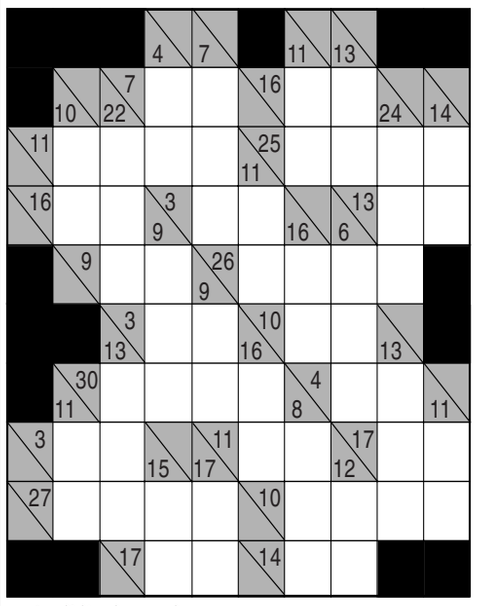

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

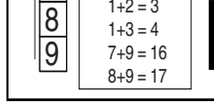

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 2900 का हल

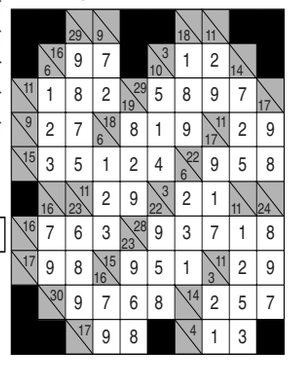

लॉफिंग ज़ोन

एक बार चमन अपनी नवविवाहिता पत्नी के साथ फिल्म देखने गया। वहाँ भी उसकी पत्नी हर समय उससे बातचीत में ही लगी रही। तंग आकर उसने इंटरवेल में पत्नी के लिए पान खरीदा और उसे दे दिया।

पत्नी बोली- एक पान तुम भी ले लो?

चमन बोला- मैं तो बिना पान खाए भी खामोश रह सकता हूँ।

□ □ □

चिंटू (चमन से)- क्या तुम बता सकते हो कि एक आदमी नेता बनने के बाद क्या खास काम करता है?

चमन- चुनाव के पहले वह अपना हाथ हिलाता है और बाद में जनता के विश्वास को।

□ □ □

कवि सम्मेलन के दौरान एक व्यक्ति अपने पास की कुर्सी पर बैठे कवि से बोला- कविवर, आपके पास पाँच सौ के छुट्टे है क्या?

कविवर (जिनके जेब में फूटी कौड़ी भी नहीं थी) इत्मीनान से बोले- छुट्टे तो नहीं हैं! किंतु.... यह पूछकर आपने जो मेरा मान बढ़ाया है, उसके लिए मैं आपका बहुत आभारी हूँ।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 2901

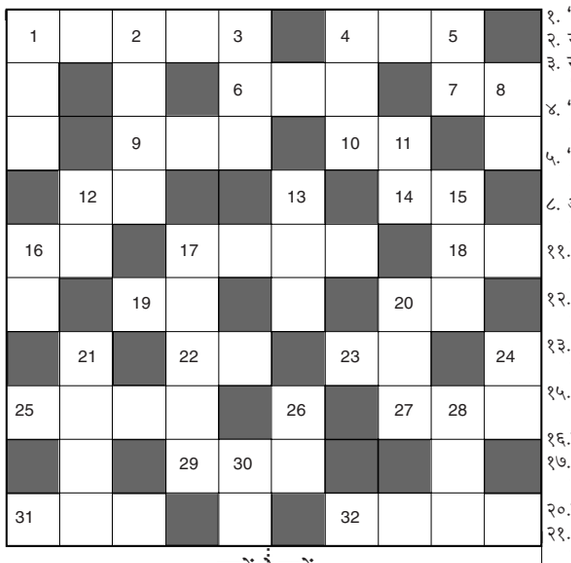

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, शशि, नीतू की 'एक रास्ता है जिंदगी' गीत वाली फिल्म-२,३
४. 'ये नैन डरे डरे' गीत वाली विश्वजीत, वहीदा रहमान की फिल्म-३
६. 'पहला पहला प्यार' गीत वाली सनी, तब्बू, रीमासेन की फिल्म-३
९. संजयदत्त, पूजा भट्ट की 'रहने को घर नहीं है' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'कुछ लोग मुहब्बत करके' गीत वाली: राजीव कपूर, डिम्पल की फिल्म-२
१२. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की जोड़ी वाली पहली फिल्म-२
१४. 'डाकिया रोज गली पर' गीत वाली मिथुन, स्वाति, मानसी की फिल्म-२
१६. आमिर खान, माधुरी की 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'थोड़ा है थोड़े की जरूरत' गीत वाली: राकेश रोशन, बिंदिया की फिल्म-२,२
१८. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'मैंने कहा फूलों से' गीत वाली फिल्म-२
१९. सनी देओल, सुनील शेट्टी, अजय जडेजा, सेलिना जेटली की फिल्म-२
२०. 'डकैत' में मीनाक्षी का नायक ?-२
२२. फिल्म 'परिंदा' में 'अन्ना' के चरित्र की भूमिका किसने की थी ?-२
२३. अमिताभ, जीनत की 'ई है बंबई नगरिया' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'बीती ना बिताई रैना' गीत वाली जीतेंद्र, जया भादुड़ी की फिल्म-४
२७. जीतेंद्र, श्रीदेवी, जयाप्रदा की 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'कितना बेचैन होके' गीत वाली आफताब, लिसा रे की फिल्म-३
३१. संजीव कुमार, राखी की 'मन मेरा तुझको मांगे' गीत वाली फिल्म-३
३२. 'तारे हैं बारातो' गीत वाली अनिल कपूर, तब्बू की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'कितना प्यारा वादा' गीत वाली फिल्म-३
२. सुनील, किशोर सायरा की फिल्म-४
३. सुनील शेट्टी, करिश्मा, रवीना, सोनाली की 'सुंदरा सुंदरा' गीत वाली फिल्म-३
४. 'देखा तुझे तो' गीत वाली फिल्म जिसमें शाहरूख ने गूँगे की भूमिका की थी-३
५. 'नजरें मिलीं दिल धड़का' गीत वाली संजयकपूर, माधुरी की फिल्म-२
८. अनिलकपूर, श्रीदेवी की 'कभी मैं कहूँ' गीत वाली फिल्म-२
११. 'अबके बरस ये हाल है' गीत किस म्यूजिक एलबम का है-२
१२. विश्वजीत, माला सिन्हा की 'मिजाजे गिरामी दुआ है' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'टक टका टक' गीत वाली संजय कपूर, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-३
१५. ऋषि, सनी, मीनाक्षी की 'बिन साजन झूला झूलूँ' गीत वाली फिल्म-३
१६. फिल्म 'शोला और शबनम' की नायिका-२
१७. जैकी श्राफ, संजयदत्त, माधुरी की 'पालकी में होके सवार' गीत वाली फिल्म-५
२०. संजय, विवेकमुशरान, मनीषा की फिल्म-३
२१. जीतेंद्र, नंदा की 'देखते ही तुझे मेरे दिलने कहा' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली राजेश खन्ना, बबीता की फिल्म-२
२६. लक्की अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-२
२८. 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीतवाली फिल्म-३
३०. मिलिंद, राहुल देव, नतान्या सिंह की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 2900

ए	क	रि	श्ता		जा	न	की	बा	जी
क		श्ते		आ	न		र्ति		व
बे	टा		ल		व	ध		कौ	न
चा		अ	व	ता	र		माँ		यु
रा	जा	जी		ल		रा		यु	द्ध
	नू	त	न		स	नी		गां	
क			म	ह	ल		अ	ध	र्म
वि	ना	श	क		मा	या		र	
ता		र्मि		शा		रा	ज		धुं
	मे	ला		दी	वा	ना		क्रो	ध

सूडोकु -2901

			4				3	
		6		2		4		
		8			5			
	3						7	
7				4				9
	9						5	
			2			1		
		1		7		6		
	5				3			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2900 का हल

7	8	5	4	2	9	6	3	1
3	6	4	1	5	7	8	9	2
9	2	1	6	3	8	7	4	5
6	5	3	2	8	4	9	1	7
1	7	2	3	9	6	4	5	8
4	9	8	7	1	5	2	6	3
2	4	7	5	6	1	3	8	9
5	3	9	8	4	2	1	7	6
8	1	6	9	7	3	5	2	4

शब्द पहेली -2901

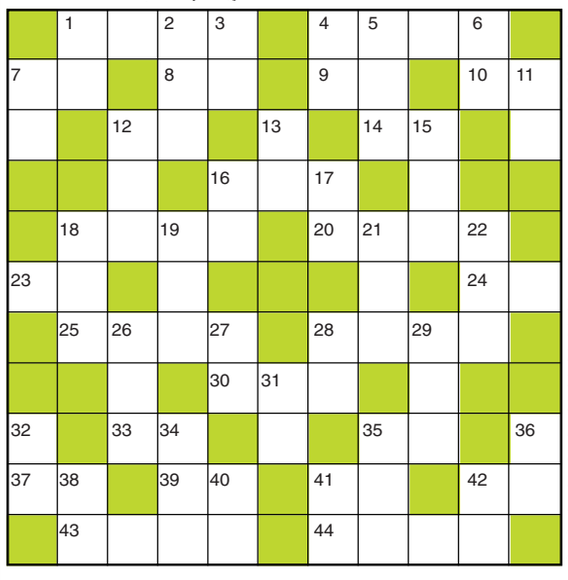

बाएँ से दाएँ

1. सुरक्षित-4
4. माहुर,आलता-4
7. कार्य,काज-2
8. रांझे की प्रेमिका-2
9. स्याही,कालिख-2
10. भूमि,धरा-2
12. ठाठ-बाट-2
14. अधर,होठ-2
16. विशाल,श्रेष्ठ-3
18. आदेश,आज्ञा-4
20. कृष्ण भक्त एक मुस्लिम कवि-4
23. काका की पत्नी-2
24. कामदेव की पत्नी-2
25. जनवासा,हरम-4
28. हमसफर-4
30. कपड़े धोने वाला-3
33. आनंद,मौज-2
35. संदेह-2
37. सरूर,खुमार-2
39. मृत्यु का देवता-2
41. पुण्य का विलोम-2
42. परछाई,छाया-2
43. शिव,रुद्र,शंकर-4
44. सराबोर,सना हुआ-4

ऊपर से नीचे

1. समान,एक जैसा-2
2. बारीक-3
3. भीगा हुआ-2
4. मेरा (संस्कृत-2)
5. पाना,प्राप्त-3
6. घोड़ागाड़ी,गाड़ी-2
7. कहवा-2
11. उद्देश्य-2
12. गजल लिखनेवाला-3
13. उस जगह-2
15. बारिश,वर्षा-3
16. जी,चित-2
17. मर्द,आदमी-2
18. दरवेश-3
19. मध्य प्रदेश का एक क्षेत्र-3
21. साजन,प्रेमी-3
22. मुलायम-3
26. कायदा,कानून-3
27. महोदय (अंग्रेजी)-2
28. अधिकार-2
29. खटखटाना-3
31. जगत,दुनिया-2
32. प्राण,जीव-2
34. स्वाद-3
35. प्रतिज्ञा-3
36. शरीर,तन-2
38. संध्या,सांझ-2
40. अपशिष्ट पदार्थ-2
41. मस्तूल,नौका पर बांधा जाने वाला कपड़ा-2
42. संग,संगत-2

शब्द पहेली -2900 का हल

	अ	नु	भ	व		शा	का	हा	र	
अ		क्ता		ल		मि		नि		अ
ह	म		का	या	प	ल	ट		का	का
म		रा		का		हो		श		र
क	हा	नी	का	र		ना	म	क	र	ण
	द								सो	
अ	सा	म	धि	क		आ	ज	मा	ई	श
चा		स्त		म		रा		न		रा
न	ल		नी	ल	क	म	ल		खौ	फ
क		भ		ना		दे		क		त
	को	ला	ह	ल		ह	र	जा	ई	

चमेली जान की
भूमिका निभाएंगी अंगूरी भाभी

हिट टेलीविजन शो भाबीजी घर पर हैं में अंगूरी भाभी की भूमिका निभाने वाली अभिनेत्री शुभांगी अत्रे जल्द ही दोहरी भूमिका में नजर आएंगी। अभिनेत्री ने बताया कि **शो की कहानी दिलचस्प होगी क्योंकि** मासूम अंगूरी **भाभी एक उत्तेजक व्यवहार वाली** क्लब डांसर चमेली **जान का रूप धारण करेंगी। इस** एपिसोड में एक और हिट शो हप्पू की उलटन पलटन का क्रॉसओवर भी दिखाया जाएगा। इसके मुख्य किरदार हप्पू सिंह (**योगेश त्रिपाठी**), **कमिश्नर** (**किशोर भानुशाली**) और **मनोहर** (**नितिन जाधव**) **एक अंतर**राष्ट्रीय अपराधी की **प्रेमिका को गिरफ्तार करने के लिए** शो में गुप्त रूप से **जाएंगे। इस दौरान सभी हैरान रह** जाते हैं, **जब** उनका **सामना अंगूरी की हमशक्ल से होता** है, जो खुद को **चमेली जान कहती है। हालांकि, जब** उनका सामना होता **है तो लाइट बंद हो जाती है, जिससे** वह घायल हो जाती **है और मदद मांगती है। इस बीच,** तिवारी (रोहिताश्व गौड़) से अपमान का सामना करने के बाद अंगूरी निराश होकर घर छोड़ देती हैं। अभिनेत्री ने कहा, मौका **देखकर, कमिश्नर और मनोहर** अंगूरी से संपर्क करते **हैं और उससे अप**राधी को पकड़ने में मदद करने की **विनती करते हैं,** जिस पर वह सहमत हो जाती है। जैसे- **जैसे कहानी सामने** आती है, तिवारी और विभूति (**आसिफ शेख**) भेष बदलकर इसमें शामिल हो जाते हैं। **दोहरी भूमिका** निभाने पर खुशी व्यक्त करते हुए, शुभांगी ने विस्तार से बताया, मुझे चमेली जान का नया किरदार निभाना बहुत पसंद आया। एक अभिनेत्री के **रूप में कई भूमिका**ओं में डूबने की इच्छा निरंतर रहती **है। मैं भाबीजी घर** पर हैं जैसे शो का हिस्सा बनकर खुद **को भाग्यशाली** मानती हूं, जो हर हफ्ते नई कहानियां पेश करता है और मुझे दर्शकों के लिए कुछ नया पेश करने का अवसर प्रदान करता है। सबसे बेहतर **पहलुओं में से एक** मेरे डांस को कोरियोग्राफ करना था। **मैंने जीनत अमान,** हेलेन, माधुरी दीक्षित जैसे सितारों **के प्रदर्शन से प्रेरण**ा लेते हुए डांस किया। उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य दर्शकों के लिए कुछ नया करने का होता है। यह ट्रैक हंसी और मनोरंजन प्रदान करेगा।

फिल्म बवाल को विश्व स्तर पर काफी पसंद किया जा रहा है। यह देश भर में सबसे ज्यादा देखी जाने वाली फिल्मों में से एक है। फिल्म में अज्जू के किरदार में वरुण धवन और निशा के किरदार में जान्हवी कपूर ने बड़ी ही खूबसूरती से दर्शकों के दिलों पर अपनी छाप छोड़ी है। जान्हवी कपूर ने कई मौकों पर बताया कि वह इस फिल्म के लिए कितनी एक्साइटेड थीं। एक्ट्रेस ने प्रोड्यूसर के प्रति आभार व्यक्त करते हुए सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया है। एक्ट्रेस ने पोस्ट में लिखा, साजिद सर के साथ काम कर बहुत मजा आया! अपने इस पोस्ट में उन्होंने साजिद नाडियाडवाला को टैग भी किया। बवाल का निर्माण साजिद नाडियाडवाला की नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट द्वारा अश्विनी अय्यर तिवारी और नितेश तिवारी की अर्थस्काई पिक्चर्स के सहयोग से किया गया है। यह फिल्म 21 जुलाई से भारत और 200 देशों और क्षेत्रों में खास तौर से प्राइम वीडियो पर उपलब्ध है।

बवाल के लिए जान्हवी ने जताया साजिद का आभार

हमेशा अलग-अलग किरदारों की तलाश में
हमेशा रहता हूं: मनोज बाजपेयी

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेता मनोज बाजपेयी की फिल्म साइलेंस के दूसरे पार्ट का इंतजार कर रहे दर्शकों का इंतजार आखिरकार अब **खत्म होगा। एक्टर एक बार फिर एसीपी** अविनाश की भूमिका में कदम रखने के **लिए तैयार हैं। निर्माताओं ने साइलेंस 2 का ऐलान कर दिया है। फिल्म की शूटिंग शुरू** हो चुकी है। **पहले पार्ट** में, एसीपी अविनाश **के किरदार** में मनोज बाजपेयी एक **हाई-प्रोफा**इल महिला की रहस्यमय **हत्या की जांच करते हैं। इस दौरान उनके सामने** धोखे, झूठ और छिपी **सच्चाइयों** का पता चलता है। जैसे- **जैसे फिल्म** आगे बढ़ती है, सस्पेंस भी **बढ़ता जाता** है। फिल्म में मनोज **बाजपेयी,** प्राची देसाई और अर्जुन **माथुर ने** महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। **इसमें साहिल** वैद, वकवेर, बरखा सिंह, शिरीष शर्मा, सोहिला कपूर, अमित ठक्कर और गरिमा याग्निक जैसे **कलाकार**ग भी नजर आए। साइलेंस **के दूसरे पार्ट को लेकर एक्टर मनोज वाजपेयी ने कहा, मैं दर्शकों के** लिए साइलेंस का दूसरा **पार्ट लाने के लिए रोमांचित और उत्साहित हूं। इस भूमिका के लिए मुझे** जो प्यार और सराहना मिली, वह वास्तव में जबरदस्त है और यह मुझे इस नए प्रोजेक्ट में भी अपना बेस्ट परफॉर्मेंस देने के लिए प्रेरित करती है। एक्टर ने कहा कि वह हमेशा खुद को चुनौती देना और अलग-अलग **किरदारों को निभाना पसंद करते हैं। उन्होंने कहा, एसीपी अविनाश** की यात्रा यादगार यात्रा रही **है। मैं जी5, जी स्टूडियोज और निर्देशक अबान देवहंस के साथ अप**ने लंबे समय से चले आ रहे **जुड़ाव को जारी रखने के** लिए बेहद आभारी हूं। **मैं वास्तव में उम्मीद** करता हूं कि दर्शक इस **रोमांचक नई फिल्म का आनंद लेंगे,** क्योंकि यह रहस्य की **दुनिया में ले जाती है।** साइलेंस 2 का प्रीमियर जल्द ही जी5 पर होगा।

संजय दत्त की भांजी नाजिया हुसैन को नहीं मिला स्टार किड होने का फायदा

फिल्म इंडस्ट्री में अमूमन ऐसा कहा जाता है कि स्टाप किड्स का **सफर आसान होता है। लेकिन इस मामले में संजय** दत्त की भांजी नाजिया हुसैन कुछ अलग ही सोच रखती हैं। नाजिया ने हाल ही में बातचीत में बताया कि कैसे उन्हें स्टार किड होने का कोई फायदा नहीं **मिला। आमतौर पर यह सोचा जाता है कि इंडस्ट्री** के बच्चों को सब कुछ थाली में परोसकर मिल जाता है। संजय दत्त की भांजी नाज़िया **हुसैन का इस पर बिल्कुल अलग विचार है। वह** संजय के मामा, अख्तर हुसैन की पोती हैं। वह 2014 में तेलुगू फिल्म नी जथागा नेनुंदाली (आशिकी 2 की रीमेक) में अपनी भूमिका से फेमस हुईं **और फिर तेरी भाभी है पगले** (2018) **और मुश्किल** (2019) जैसी **फिल्मों में देखी गईं। नाज़िया बताती हैं कि भले ही** उनका फैमिली **बैकग्राउंड फिल्मी है, लेकिन वह खुद को एक साधारण लड़की मानती** हैं। मैं ज्यादातर स्टार किड्स की तरह कभी भी फिल्म इंडस्ट्री परिवार में नहीं पली-बढ़ी। मैं इससे दूर एक साधारण जीवन जीती **थी। जब मैंने शुरुआत की तो मैं किसी को नहीं** जानती थी, मैं सिर्फ **एक्टिंग करना चाहती थी। मैं कुछ नहीं जानती थी।** मेरा मार्गदर्शन करने या सलाह देने के लिए मेरे पास कोई गुरु नहीं था, मुझे **डायरेक्टर्स या प्रोडक्शन हाउस से पहचान कराने** वाला कोई नहीं था। **मैं ऑडिशन दे रही थी और काम पाने की कोशिश** कर रही थी। मुझे **पहली नौकरी लाइट चेक के लिए एक ऐड फिल्म** में प्रियंका चोपड़ा के **लिए डबल के रूप में बैठने की मिली। मैं खुद को** स्टार किड नहीं **मानती।** मुझे जो कुछ भी मिला मैंने किया है।

सलीम खान ने की थी मदद

दत्त परिवार से ताल्लुक रखने वाली यह एक्ट्रेस संजय की तुलना में **बहनों के ज्यादा करीब हैं। वह कहती हैं, संजय दत्त** के साथ मेरे अच्छे **रिश्ते हैं। मेरी बुआ प्रिया और नम्रता के साथ मेरा** ज्यादा अच्छा बॉन्ड **है। नाज़िया को फिल्मों में लाने में उनके परिवार** से ज्यादा सलमान **खान के पिता सलीम खान ने बड़ी भूमिका निभाई।** वह कहती हैं, मेरा **पावर सलीम खान थे। मेरे पिता की एक भयानक** कार दुर्घटना हुई थी, हमने उन्हें लगभग खो दिया था। भावनात्मक रूप से टूटने के अलावा उनके मेडिकल बिल ने हमें बर्बाद कर दिया। सलीम अंकल ने **इस बारे में बात की और मेरी मां के पास पहुंचे और** हमारी आर्थिक मदद की। इसी दौरान मेरी उनसे मुलाकात हुई और उन्होंने मेरी **मां से कहा कि मुझे एक्टिंग स्कूल** भेजा जाना चाहिए, सच कहूं तो मेरी मां कभी नहीं चाहती थीं कि मैं एक्टर बनूं। यह सलीम चाचा ही थे जिन्होंने **उन्हें समझाया और** कहा कि एक **कलाकार के रूप में मुझमें कुछ है और मुझे इसे आज़माना** चाहिए।

अमिताभ बच्चन हैं प्रेरणा

नाज़िया से पूछने पर कि वह इंडस्ट्री के बारे में क्या सोचती हैं, तो वह कहती हैं, भारतीय फिल्म इंडस्ट्री गेम ऑफ थ्रोन्स की तरह है। पहिए घूमते रहते हैं। यह हर **किसी के** लिए है। आपको **बस ध्यान देना है और आगे बढ़ना है। मैं अपनी असफलताओं को अपने ऊपर हावी** नहीं होने देती। **मेरी सबसे बड़ी प्रेरणा** अमिताभ बच्चन रहे हैं। **यदि आप उनका करियर ग्राफ** देखेंगे तो पाएंगे कि **वह कितने सच्चे एक्टर हैं। संघर्ष** हर किसी के जीवन का **हिस्सा है, आपको बस चलते रहना है। फिलहाल,** मेरी एक फिल्म **टिप्पसी जल्द ही रिलीज होने वाली है और कुछ** फिल्मों की शूटिंग भी कर चुकी हूं।

ब्लैक शिमरी साड़ी में उर्वशी ने बिखेरा जलवा

एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला, बॉलीवुड में सबसे हाई पेड एक्ट्रेसेस में से एक हैं, जो फोर्ब्स इंडिया के अनुसार सबसे ज्यादा फॉलो की जाने वाली सेलिब्रिटी **भी हैं। उर्वशी अक्सर अपने फैशन स्टेटमेंट को लेकर चर्चा में रहती हैं।** हाल ही में उन्हें सुपरस्टार पवन कल्याण के साथ अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म **बीआरओ - द अवतार के प्री-रिलीज़ इवेंट में स्पॉट किया गया, जहां वह** अपने बेहद स्टनिंग लुक से सबको इम्प्रेस करती नजर आईं। अब उनकी ये **तस्वीरें इंटरनेट पर भी खूब तहलका मचा रही हैं। सामने आई तस्वीरों में** देखा जा सकता है कि उर्वशी रौतेला ने ब्लैक शिमरी साड़ी में इवेंट में **शिरकत की और अपने लुक से सबका ध्यान खींच लिया।साड़ी के साथ मैचिंग** ब्लाउज में एक्ट्रेस के क्लीवेज साफ नजर आए। मिनिमल मेकअप **और खुले बालों में उर्वशी की ब्यूटी देखते ही बन रही है। स्टड इयररिंग्स,** सिंपल डायमंड कंगन और अंगूठियों से उन्होंने अपने लुक को कंप्लीट **किया है। अपने शिमरी लुक से फैंस को इम्प्रेस करते हुए हसीना कैमरे के** सामने जबरदस्त पोज दे रही हैं।

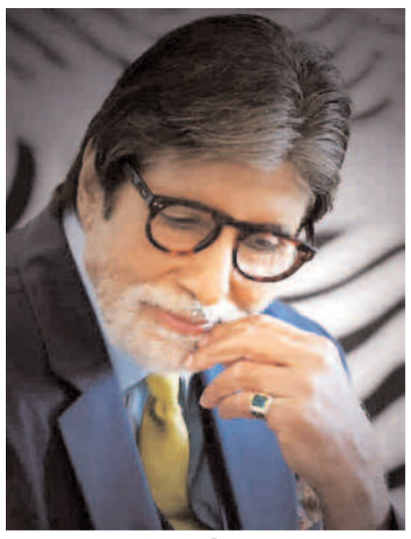

एक पुराने ट्वीट को लेकर
अमिताभ हुए ट्रोल

सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने वाले बॉलीवुड **मेगास्टार अमिताभ बच्चन नेटिजन्स** के निशाने पर हैं, उन्हें उनके पुराने ट्वीट जिसमें उन्होंने महिलाओं के अंतर्वस्त्रों के बारे में कहा था, उनके **लिए ट्रोल किया गया है। हाल ही में** एक रेडिट उपयोगकर्ता ने बिग बी के ट्वीट का स्क्रीनशॉट साझा किया, जिसे अभिनेता ने 12 जून 2010 को **पोस्ट किया था, जहां उन्होंने लिखा** था, टी 26 ब्रा एकवचन और पैंटी बहुवचन क्यों है। अनजान लोगों के लिए रेडिट एक सामाजिक समाचार **वेबसाइट और मंच है जहां सामग्री** को सामाजिक **रूप से क्यूरेट किया जाता है और** साइट के **सदस्यों द्वारा वोटिंग के माध्यम से** प्रचारित किया जाता है। जैसे ही पुराने ट्वीट की फोटो इंटरनेट पर वायरल हुई, लोगों ने उस पर अपने विचार साझा करना शुरू कर दिया।

शेखर कम्मुला के साथ
पहली बार काम करेंगे धनुष

साउथ सुपरस्टार धनुष के जन्मदिन से पहले उनकी 51वीं फिल्म का आधिकारिक एलान हो चुका है। अभिनेता पहली बार **निर्देशक शेखर कम्मुला** के साथ काम करने जा रहे हैं। साउथ सुपरस्टार धनुष की फिल्मों का दर्शकों के बीच खूब क्रेज देखने को मिलता है। कई दिनों से खबरें आ रही **थीं कि अभिनेता के** जन्मदिन के अवसर पर उनकी **अगली फिल्म से जुड़ी खास जानकारी सामने आ सकती है। अब धनुष की अ**गली फिल्म से जुड़ी बड़ी जानकारी सामने आई है। दरअसल, धनुष की 51वीं फिल्म की आधिकारिक **घोषणा हो गई है। साउथ सुपरस्टार धनुष इस** फिल्म के **लिए टॉलीवुड के सब**से **बेहतरीन निर्देशकों** में से एक **और राष्ट्रीय पुरस्कार** विजेता **फिल्म निर्माता शेखर** कम्मुला **के साथ आएंगे।** वहीं, बात करें **धनुष की आने वाली** फिल्मों के बारे **में तो वह अपनी फिल्म** कैप्टन मिलर **की रिलीज के लिए** तैयारी कर रहे हैं। **कुछ दिनों पहले उन्होंने** फिल्म से अपना फर्स्ट लुक जारी किया था। यह फिल्म इसी साल सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। धनुष **के पास फिल्म निर्माता** आनंद एल राय के साथ **फिल्म तेरे इश्क में भी** पाइपलाइन में है।

आयरिश सिंगर
'सिनैड ओकॉनर' के निधन से इमोशनल हुई करीना

शुहादा सदाकत, जिन्हें लोग 'सिनैड ओकॉनर' के नाम से जानते थे, एक आयरिश सिंगर और **म्यूजिशियन थीं। उनका पहला स्टूडियो एल्बम, 'द लायन एंड द कोबरा' 1987 में रिलीज़ हुआ और इंटरनेशनल लेवल पर प्रदर्शित हुआ था। 26 जुलाई को ओकॉनर** की मौत की पुष्टि **उनके परिवार ने मीडिया को दिए एक बयान में की। मौत का कोई कारण** सामने नहीं आया **है। ऐसे में करीना कपूर को भी सिंगर की मौत से सदमा लगा है।** करीना ने अपनी **इंस्टागाराम स्टेरीज पर एक पोस्ट शेयर करते हुए ओकॉनर की डेथ न्यूज शेयर करते हुए लिखा- 'आपकी तुलना किसी भी लीजेंड से नहीं की जा** सकती।' एक्ट्रेस इस सिंगर की काफी बड़ी फैन थी और सिनैड ओकॉनर की मौत से एक्ट्रेस काफी इमोशन लग रहीं हैं। बात करें करीना के वर्कफ्रंट की तो एक्ट्रेस जल्द ही द क्रू, सस्पेक्ट एक्स और वीरे दी वेडिंग 2 में नजर आएंगी। फिलहाल एक्ट्रेस द क्रू की शूटिंग में बिजी हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक राजकुमार शर्मा ने वैकुंठ मीडिया प्राइवेट लिमिटेड सी -285, सेक्टर-11, विजय नगर, गाजियाबाद से छपवाकर कार्यालय 178 राहुल विहार विजय नगर,गाजियाबाद से प्रकाशित किया है। किसी खबर या लेख से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सभी विवादों का निस्तारण जिला न्यायालय गाजियाबाद में होगा। प्रबंध संपादक-महेश कुमार - 9911733939, कानूनी सलाह- नरेंद्र सिंह रणोत एडवोकेट, सलाहकार कुशल सिंह, RNI No-UPHIN/2013/50466, Editor R.K. Sharma : 09456278011